हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 114 ● भिलाई, सोमवार 23 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

मणिपुर में जहरीली शराब से 15 लोगों की मौत, 600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती

मणिपुर। मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 600 से अधिक लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच तेज कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले दो से तीन दिनों के दौरान शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने के मामले सामने आए। हालांकि, शुरुआत में यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि जहरीली शराब कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति किसने की थी। पुलिस के मुताबिक, प्रभावित लोगों ने जिस शराब का सेवन किया था, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू इलाके से खरीदा गया था। शुरुआती जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका जताई गई है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब तैयार किए जाने के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं।

नूडल्स खाने के बाद 7 साल की बच्ची की मौत

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में घर पर बनाए गए नूडल्स खाने के बाद सात वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी बड़ी बहन की तबीयत भी बिगड़ गई। प्रारंभिक तौर पर अधिकारियों को मामला फूड पॉइजनिंग का लग रहा है। हालांकि, बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पीहू कुमावत और उसकी बड़ी बहन दिव्यांशी उस समय घर पर अकेली थीं। दोनों बहनों ने घर में नूडल्स बनाकर खाए और इसके बाद सो गईं। दोपहर करीब तीन बजे जब उनकी मां घर पहुंचीं तो बड़ी बेटी दिव्यांशी की नींद खुल गई। उसने अपनी तबीयत खराब होने की शिकायत की, जबकि पीहू बेहोशी की हालत में थी। परिजन दोनों बच्चियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने पीहू को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दिव्यांशी का उपचार किया गया।

मुंबई में मेटा कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष समेत 4 नामजद

मुंबई। मुंबई पुलिस ने शहर के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित मेटा बिल्डिंग के बाहर हुए विरोध-प्रदर्शन और तोड़फोड़ के मामले में एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में मुंबई यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष जीनत सबरीन समेत चार लोगों को नामजद किया गया है। 15 से 20 अज्ञात महिलाओं को भी आरोपी बनाया गया है। एफआईआर के अनुसार, यह घटना 20 नवंबर को शाम करीब 5.40 बजे बीकेसी रोड पर स्थित मेटा बिल्डिंग के बाहर हुई। बताया जा रहा है कि वहां 20 से 25 लोग इकट्ठा हुए और नारेबाजी करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। लाल रंग की फूलों वाली ड्रेस पहने एक महिला ने बिल्डिंग के कांच के बाहरी हिस्से पर मेटा-का बेटा लिख दिया, जिससे कांच को नुकसान पहुंचा।

कोटा में भीषण सड़क हादसा-खड़े ट्रक में घुसी तेज रफ्तार क्रूजर

एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत, आठ अस्पताल में भर्ती...

नई दिल्ली/ एजेंसी



राजस्थान के कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर नाता थाना क्षेत्र के शंभूपुरा गांव के पास शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात करीब 1 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। खाटूश्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे श्रद्धालुओं की एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक में तेज रफ्तार क्रूजर के घुसने से महाराष्ट्र के एक ही परिवार के 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और 8 लोग घायल हैं। शुरुआती जांच में क्रूजर चालक को झपकी आना हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, वहीं घायल ट्रक ड्राइवर ने होश आने पर पुलिस को सूचना दी। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि हादसा नाता थाना क्षेत्र में शंभूपुरा गांव के पास रात करीब 1 बजे हुआ। क्रूजर में महाराष्ट्र के रहने वाले एक ही परिवार के 16 लोग सवार थे, जो खाटूश्यामजी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, संभवत: क्रूजर ड्राइवर को झपकी आने से यह भीषण टक्कर हुई। हादसे में उषा बाई, सुशीला (55), कैलाश (45), सांवी, सन्जन, अनीता, बाबूलाल (60), जाह्नवी (13) और माधवी की मृत्यु हो गई। पीड़ित परिवार के सदस्य प्रदीप ने बताया कि वे सभी आपस में रिश्तेदार हैं और तीन अलग-अलग गाड़ियों में कुल 36 लोग सवार होकर खाटूश्यामजी के दर्शन करके महाराष्ट्र लौट रहे थे। तीनों गाड़ियां एक-दूसरे के आगे-पीछे चल रही थीं, तभी सबसे आगे चल रही क्रूजर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी में शव व घायल बुरी तरह फंस गए, जिन्हें एसपी तेजस्वनी गौतम की मौजूदगी में बड़ी मुश्किल से बाहर निकालकर एंबुलेंस से न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इस दुर्घटना में खंडवा (मध्यप्रदेश) निवासी ट्रक ड्राइवर हारून भी घायल हुआ है। हारून ने बताया कि ट्रक में कुछ तकनीकी खराबी आने के कारण उसने वाहन को सड़क किनारे खड़ा किया था और वह ट्रक से थोड़ी दूरी पर खड़ा होकर उसे चेक कर रहा था। तभी तेज रफ्तार क्रूजर ने पहले उसे टक्कर मारी और फिर सीधे ट्रक में जा घुसी। टक्कर से हारून करीब 20 फीट दूर जाकर गिरा और बेहोश हो गया; करीब 10 मिनट बाद होश आने पर उसने ही पुलिस और एंबुलेंस को फोन करके मौके पर बुलाया।

ट्रेलर से टकराकर दो टुकड़ों में बंटी कार.....आर्मी जवान के परिवार के 7 लोगों की मौत

गुजरात के भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर देर रात कार और ट्रेलर की भीषण भिड़ंत में उत्तराखंड के एक सेना के जवान के परिवार समेत 7 लोगों की मौत हो गई है। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार दो टुकड़ों में बंट गई और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। गुजरात के कच्छ जिले स्थित भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर देर रात रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां एक कार और ट्रेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार दो टुकड़ों में बंट गई, उसके परखच्चे उड़ गए और मलबा तथा शव सड़क पर दूर तक बिखर गए। इस हृदयविदारक दुर्घटना में एक ही परिवार के 7 सदस्यों की जान चली गई, जिनमें 2 पुरुष, 2 महिलाएं और 3 मासूम बच्चे शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे का शिकार भुज में तैनात उत्तराखंड के एक आर्मी जवान का परिवार और उनके अन्य रिश्तेदार हुए हैं। देर रात हुए इस एक्सीडेंट के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और चीख-पुकार सुनाई देने लगी। कच्छ के जिला कलेक्टर अमित रणावासिया ने इस दुर्घटना में सात लोगों की मृत्यु होने की आधिकारिक पुष्टि की है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू करते हुए अन्य घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

एसीबी ने रंगे हाथो किया था गिरफ्तार

रिश्वतखोर जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर आंचल गिरी सस्पेंड

कांकेर। एजेंसी



डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो के हत्थे चढ़ी जीएसटीविभाग की असिस्टेंट कमिश्नर अंचला गिरी पर अब विभागीय कार्रवाई भी हो गई है। राज्य कर आयुक्त ने उन्हें निलंबित कर दिया है। कांकेर में पदस्थ अधिकारी को रायपुर और जगदलपुर की संयुक्त एसीबी टीम ने एक कारोबारी से रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। इस मामले में रकम पहुंचाने वाले सहयोगी इमरान मेमन को भी आरोपी बनाया गया है। मामला कांकेर थाना क्षेत्र के आदर्श नगर का है। जानकारी के मुताबिक, एक कबाड़ कारोबारी ने जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर अंचला गिरी के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत एसीबी से की थी। शिकायत की जांच के बाद ब्यूरो ने जाल बिछाया और तय रकम लेते हुए अधिकारी को पकड़ लिया। आरोप है कि कारोबारी की स्क्रैप से लदी गाड़ी छोड़ने और मामले को निपटाने के एवज में डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई थी। कार्रवाई के दौरान एसीबी ने रिश्वत की रकम पहुंचाने वाले इमरान मेमन को भी गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता कारोबारी मोहम्मद शौएब रंगरेज के मुताबिक, 18 नवंबर को उनकी गाड़ी स्क्रैप लेकर जा रही थी। उनके दावे के अनुसार, वाहन के पास बिल मौजूद होने के बावजूद उसे रोक लिया गया। कारोबारी ने आरोप लगाया कि अंचला गिरी ने गाड़ी पर कार्रवाई की धमकी देते हुए 10 लाख रुपये की पेनाल्टी की बात कही, जबकि वाहन में लदे माल की कीमत करीब तीन लाख रुपये थी।

सीटीआई ने मोदी को लिखा पत्र

लाखों व्यापारियों व निवेशकों की रकम डूबने से बची.....

नई दिल्ली। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने सोने की कीमतों में 65 लाख रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी अपील की सराहना की है। संगठन ने कहा कि समय पर दी गई इस सलाह ने न केवल व्यापारियों को बड़े घाटे से बचाया, बल्कि 52 लाख शादियों के मौजूदा सीजन में आम उपभोक्ताओं को भी बड़ी राहत दी है। सीटीआई ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से सोना खरीदने से बचने की अपील की थी, तब शुरुआत में इस सलाह को कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उस समय सोने की कीमत 1.90 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम के उच्च स्तर पर थी, जो अब घटकर 1.25 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है।सेवा खोजें संगठन के अनुसार, देशभर में लाखों जौहरी कई महीनों का स्टॉक रखते हैं; यदि उन्होंने पुराने ऊंचे भाव पर स्टॉक खरीद लिया होता, तो उन्हें सीधे 65 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता। सीटीआई ने दावा किया कि जिन जौहरियों और व्यापारियों ने पहले प्रधानमंत्री की



इस सलाह का विरोध किया था, वे अब इसे बेहद लाभकारी मान रहे हैं। संगठन के व्यापारिक समूहों में लगातार संदेश आ रहे हैं कि 'मोदी जी ने हमें बचाया है'।सेवा खोजें साथ ही, सोने की दरों में कमी आने से इस शादी के मौसम में होने वाली लगभग 52 लाख शादियों के लिए आम परिवार भी कम दरों पर सोना खरीद पा रहे हैं। सीटीआई ने प्रधानमंत्री से सोने और चांदी जैसे संवेदनशील बाजारों पर भविष्य में भी समय-समय पर मार्गदर्शन जारी रखने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि यह पत्र प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लखनऊ में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के एक दिन बाद लिखा गया है, जहां उन्होंने एक साल तक अनावश्यक सोने की खरीद से बचने की अपनी अपील को याद किया था।

नीट पेपर लीक मामले में 14 आरोपियों पर आरोप तय, 25 नवंबर से रोजाना सुनवाई

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शनिवार को 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं। खास बात यह है कि आरोपियों में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए से जुड़े तीन सब्जेक्ट एक्सपर्ट भी शामिल हैं। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सभी 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किया है। हालांकि सभी आरोपियों ने आरोप स्वीकार करने से इन्कार किया है।

यूपी और दिल्ली तक फैले गांजे के अंतर्राज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश

ट्रॉली बैग में छिपाकर करते थे सप्लाई,छत्तीसगढ़ पुलिस ने नाबालिग समेत 3 तस्करों को दबोचा...

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. गांजा तस्करी के लिए अपनाया जाने वाला तरीका भी चौकाने वाला है. ओडिशा से गांजा लाकर कभी ट्रेन तो कभी बस के माध्यम से उसे यूपी और दिल्ली तक सप्लाई किया जाता है. इस नेटवर्क में शामिल नालाबिग समेत 3 तस्करों को सुकमा चेकपोस्ट पर पकड़ा गया. इनके पास रखे ट्रॉली बैग की जांच की गई, जिसके अंदर छिपाकर लाया जा रहा 25 किलो 450 ग्राम गांजा जब्त किया गया. जानकारी के मुताबिक, 21 नवंबर को पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी थी कि ओडिशा के मलकानगिरी से दो



व्यक्ति पल्सर मोटरसाइकिल और स्कूटी से सुकमा की ओर आ रहे हैं. उनके पास ट्रॉली बैग में गांजा रखा हुआ है. सूचना पर पुलिस टीम ने सुकमा चेक पोस्ट के पास घेराबंदी की. लाशी के दौरान ट्रॉली बैग से 12 पैकेट में रखा 25 किलो 450 ग्राम गांजा बरामद हुआ. एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपियों के खिलाफआगे की कार्रवाई की जा रही है. आरोपियों से पूछताछ और मोबाइल फोन की तकनीकी जांच में तस्करी के अंतर्राज्यीय नेटवर्क से जुड़े अहम तथ्य सामने आए, जांच में पता चला कि ओडिशा के मलकानगिरी से गांजा लाकर अलग-अलग वाहकों के माध्यम से सुकमा तक पहुंचाया जाता था. इसके बाद इसे उत्तरप्रदेश के मेरठ, नोएडा और दिल्ली क्षेत्र तक भेजकर अवैध बिक्री कराई जाती थी.



राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में आयोजित वार्षिक पुष्कर ऊंट मेले में विदेशी पर्यटक व्यापारियों के साथ तस्वीर खिंचवाते नजर आए।

संजय राउत ने पीएम मोदी से पूछे सवाल

दो करोड़ नौकरियों दो लाख लोगों को भी नहीं मिली है...



नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने मुंबई में रोजगार और बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछे. संजय राउत ने रोजगार के मुद्दे पर आरोप लगाया कि 12 साल में दो लाख लोगों को भी नौकरी नहीं मिली. राउत ने आरोप लगाया कि 12 साल में दो करोड़ नौकरियां सालाना देने का वादा पूरा नहीं हुआ. राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री को उद्योगपतियों से पूछना चाहिए कि गौतम अदाणी ने कितने लोगों को रोजगार दिया. उन्होंने गौतम अदाणी से रोजगार सृजन और उनके नियंत्रण वाले सार्वजनिक उपक्रमों में नौकरियां जाने पर सवाल उठाए.

पटवारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई पर सरकार विचार करेगी-सीएम साय

पटवारियों की हड़ताल स्थगित,सीएम साय से मुलाकात के बाद बनी सहमति

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में 40 दिन से पीवी एप को लेकर लामबंद पटवारियों ने रविवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात के बाद पटवारियों ने यह फैसला लिया है. हड़ताल खत्म होने से धान खरीदी से संबंधित व्यवस्था बिना परेशानी के संचालित हो पाएंगी. दरअसल, पीवी एप के माध्यम से फसल के भौतिक सत्यापन में आ रही तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं को लेकर पटवारियों में नाराजगी थी. इसे हटाए जाने की मांग की गई थी. इस बीच धान खरीदी तिहार की शुरूआत हुई. हड़ताल का असर किसानों पर पड़ा. मुख्यमंत्री साय ने दो दिन पहले पटवारियों से काम पर लौटने की अपील की थी. राजस्व पटवारी संघ ने सूचना जारी करते हुए 22 नवबंर को हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है. इसके साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की है कि हड़ताल अवधि में पटवारियों के खिलाफ निलंबन, ब्रेक इन सर्विस, स्थानांतरण, कारण बताओ नोटिस जैसे दमनात्मक कार्यवाहियों को शून्य किया जाए. अनिश्चितकालीन आंदोलन की संपूर्ण अवधि को कार्य दिवस मान्य वेतन करते हुए उक्त अवधि का नियमित वेतन प्रदाय किया जाए. वहीं वेतन विसंगति एवं पदोन्नति के संबंध में



तत्काल निर्णय लेते हुए आदेश जारी किया जाए. इसके अलावा कर्मचारियों के समस्याओं के निराकरण के लिये ऑनलाईन मुख्यमंत्री जनदर्शन सेवा शुरू किया जाए. पटवारियों की हड़ताल को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि पटवारी संघ का एक प्रतिनिधिमंडल आज ष्टरू हाउस पहुंचा था. इस दौरान पटवारी संघ ने अपनी हड़ताल समाप्त करने का वादा किया है. पटवारियों की वेतन और प्रमोशन संबंधी मांगों को लेकर एक समिति का गठन किया गया है. यह समिति पटवारियों से भी सुझाव लेगी और जल्द ही सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी. सरकार रिपोर्ट के आधार पर उनकी मांगों पर विचार करेगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में धान खरीदी चल रही है और चक्रवात के कारण फसलों का आकलन भी किया जाना है, ऐसे में पटवारियों का काम पर लौटना जरूरी है. राजस्व मंत्री टंक वर्मा ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल समाप्त हो चुकी है.

सार-समाचार



ब्लॉक के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को 31 माह से श्रम सम्मान राशि अप्राप्त, 10 दिन में भुगतान न होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी

बिलाईगढ़। अनुविभाग मुख्यालय बिलाईगढ़ में आश्रम और छात्रावास में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी ने 31 माह से बकाया श्रम सम्मान राशि दिलाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलाईगढ़ को ज्ञापन सौंपा ,साथ ही 10 दिवस में भुगतान न होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी दिया है। प्राप्त समाचार के अनुसार ब्लॉक के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विगत 31 माह से श्रम सम्मान राशि अप्राप्त है ।राशि मांग को लेकर उन्होंने अनुभागीय अधिकारी को ज्ञापन सोपा है साथ यदि 10 दिन के भीतर यह राशि नहीं दिया जाता है तो वह भूख हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे। सूत्रों के मुताबिक आश्रम , छात्रावासों में सेवाएं दे रहे हैं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को लंबे समय से श्रम सम्मान राशि का भुगतान नहीं हो सका है बकाया राशि 31 माह तक पहुंचने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है इसी समस्या के समाधान और शीघ्र भुगतान की मांग को लेकर कर्मचारियों ने ज्ञापन दिया है ।कर्मचारियों ने आवेदन में स्पष्ट किया है कि यदि आगामी 10 दिवस के भीतर उनकी 31 माह से बकाया श्रम सम्मान राशि का भुगतान नहीं किया जाता है तो वह भूख हड़ताल के लिए बाध्य होंगे जिनकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से देवराम बारले, मेघनाथ लहरे,केशव प्रसाद प्रेमी ,नागेश्वर निराला ,राजकुमारी साहू ,भजन मति,पील कुमार, श्रवण कुमार बंजारे, रंजीत यादव, राम विशाल यादव , रमेंदर खुटे,सुनीता चौहान ,राजेश्वरी सिदार, निर्मला नारंग ,मनोज बंजारे ,धनेश्वरी, अनीता टंडन ,शशिकांत मनहर ,खगेश्वर टांडेल, खिलेश्वर साहू और ईगेश्वर साहू सहित अनेक कर्मचारी शामिल रहे ।



'स्पेशल लोक अदालत' का सफल आयोजन, चेक बाउंस के 12 प्रकरणों का हुआ निपटारा

बेमेतरा। जिला न्यायालय परिसर बेमेतरा में आज राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में माननीय सरोज नंद दास प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु स्पेशल लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत में चेक अनादरण (चेक बाउंस) से संबंधित लंबे समय से लंबित कुल 12 प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निराकरण किया गया, जिसमें कुल 51,04,294 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवेन्द्र कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बेमेतरा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण व कर्मचारीगण को परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामले निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित कर शुभकामनाएं दीं। आयोजित स्पेशल लोक अदालत में जिला स्तर पर खण्डपीठ क्रमांक 01 व 02 तथा तालुका स्तर पर 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। सभी खण्डपीठों में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक प्रतिनिधियों, न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल वालेंटियर्स तथा पक्षकारों की सक्रिय सहभागिता से प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

नीमच औषधीय मण्डी की तर्ज पर विकसित होगी धमतरी की वनौषधि मण्डी, आधुनिक सुविधाओं के विस्तार की बनेगी कार्ययोजना

धमतरी। जिले में औषधीय फसलों के उत्पादन एवं लघु वनोपज संग्रहण से जुड़े किसानों और संग्राहकों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा औषधीय उत्पादों के व्यवस्थित व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में वनौषधि मण्डी धमतरी को आधुनिक एवं आदर्श मण्डी के रूप में विकसित करने की पहल की जा रही है। इसी उद्देश्य से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा उप संचालक कृषि, धमतरी के मार्गदर्शन में अधिकारियों के दल ने 17 से 20 नवंबर 2026 तक नीमच (मध्यप्रदेश) स्थित एशिया की प्रमुख औषधीय मण्डियों में शामिल औषधीय मण्डी का अध्ययन सह भ्रमण किया। उल्लेखनीय है कि जिले एवं छत्तीसगढ़ राज्य के औषधीय फसल उत्पादक किसानों तथा लघु वनोपज संग्राहकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 अक्टूबर 2026 को नवीन कृषि उपज मण्डी, श्यामतराई, धमतरी में वनौषधि मण्डी का शुभारंभ किया गया है। इस मण्डी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य औषधीय फसलों एवं लघु वनोपज के क्रय-विक्रय को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करना, किसानों एवं संग्राहकों को प्रतिस्पर्धात्मक बाजार उपलब्ध कराना तथा उनकी उपज का उचित एवं लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी व्यवस्था विकसित करना है। अध्ययन भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने नीमच औषधीय मण्डी में विभिन्न औषधीय एवं कृषि उत्पादों की आवक, संकलन, वर्गीकरण, नीलामी तथा विपणन की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। अश्वगंधा, चिया सीड्स, अकरकरा, सर्पगंधा, कालमेघ, क्विनोआ, अजवाइन, कलौंजी एवं अम्बाड़ी सहित विभिन्न उत्पादों के व्यापारिक स्वरूप और बाजार व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। दल ने यह भी समझा कि किस प्रकार व्यवस्थित नीलामी, व्यापारियों की सहभागिता और पारदर्शी क्रय-विक्रय प्रणाली के माध्यम से उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जा सकता है। भ्रमण दल ने नीमच मण्डी के सचिव, मण्डी निरीक्षकों, उप निरीक्षकों, व्यापारियों एवं औषधीय फसल उत्पादक किसानों से चर्चा कर मण्डी के दैनिक संचालन, आवक पंजीयन, नीलामी प्रक्रिया, भुगतान व्यवस्था, गुणवत्ता परीक्षण तथा व्यापारिक गतिविधियों के प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की। साथ ही मण्डी अधिनियम एवं संबंधित नियमों के अंतर्गत संचालित व्यवस्थाओं तथा मण्डी के सुचारू संचालन में विभिन्न हितधारकों की भूमिका का भी अध्ययन किया। किसानों से संवाद के दौरान औषधीय फसलों की खेती के साथ-साथ उपज के सुरक्षित भंडारण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं मूल्यवर्धन की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इससे धमतरी जिले के किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप औषधीय फसलों के उत्पादन एवं विपणन से जोड़ने के लिए उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। औषधीय उत्पादों को बेहतर बाजार मूल्य दिलाने में उनकी गुणवत्ता, स्वच्छता, नमी का स्तर, उचित छंटाई एवं ग्रेडिंग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसे ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने नीमच मण्डी में उपज की गुणवत्ता जांच, छंटाई, ग्रेडिंग, भंडारण एवं प्रसंस्करण से संबंधित सुविधाओं का भी अवलोकन किया।

छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा के कई जिलों तक फूलों की आपूर्ति, रोजाना निकलती हैं 12 से 15 गाड़ियां

गेंदा फूल की खेती कर विद्याधर पटेल कमा रहे लाखों रुपये,15 से 20 ग्रामीणों को मिल रहा नियमित रोजगार

रायगढ़। खेती में नई सोच, मेहनत और बाजार की मांग के अनुरूप बदलाव किया जाए तो इसे बेहतर आमदनी का जरिया बनाया जा सकता है। फूलों की खेती पारंपरिक फसलों की तुलना में कम समय और कम लागत में अधिक मुनाफा दे सकती है, साथ ही यह परागण और प्राकृतिक कीट नियंत्रण में मदद करती है। छत्तीसगढ के रायगढ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम-कोड़केल निवासी किसान विद्याधर पटेल ने इसे अपनी मेहनत और अनुभव से साबित किया है। वर्ष 2007-08 से गेंदा फूल की खेती कर रहे विद्याधर आज 7 से 8 एकड़ में इसका उत्पादन कर रहे हैं। आज उनके खेतों में तैयार गेंदा फूल छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा तक पहुंच रहा है। इस खेती से वे स्वयं बेहतर आमदनी अर्जित करने के साथ स्थानीय लोगों को



रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं।

प्रदर्शनी में फूलों की बिक्री देखकर आया खेती का विचार

विद्याधर पटेल बताते हैं कि वे वर्ष 1994-95 से सब्जी- भाजी की खेती कर रहे थे। इस दौरान रायपुर और रायगढ़ में आयोजित कृषि प्रदर्शनियों में गमलों के माध्यम से सब्जियों की खेती का प्रदर्शन भी करते थे। इन्हीं प्रदर्शनियों में गेंदा फूल की अच्छी मांग और बिक्री देखकर उनके मन में इसकी व्यावसायिक खेती शुरू करने का विचार आया। इसके बाद वर्ष 2007-08 में उन्होंने गेंदा फूल की खेती शुरू की और अनुभव के साथ धीरे-धीरे इसका रकबा बढ़ाते चले गए।

पॉलीबैग तकनीक से खत्म किया नुकसान का डर

शुरुआती दौर में गेंदा फूल की खेती के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पहले खुले खेत में पौधे तैयार करते थे, लेकिन कई बार बीज का अंकुरण ठीक से नहीं होने के कारण दोबारा बीज मंगाकर बुवाई करनी पड़ती थी। इससे पौधे तैयार होने में देरी होती और दशहरा-दीपावली के प्रमुख सीजन में फूल बाजार तक नहीं पहुंच पाते थे। वहीं, समय पर बिक्री नहीं होने से फूल खराब होने और लागत डूबने का खतरा भी रहता था। इस समस्या का समाधान निकालते हुए उन्होंने पॉलीबैग में पौधे तैयार करना शुरू किया। इसका फायदा यह हुआ कि दीपावली के दौरान फूलों की बिक्री नहीं होने पर भी बाद में उन्हें बाजार में बेचा जा सकता है। इस तकनीक से उत्पादन और बिक्री के बीच बेहतर तालमेल बना और नुकसान की आशंका कम हुई।

एक एकड़ में पांच लाख रुपये तक की बिक्री

विद्याधर पटेल के अनुसार, गेंदा फूल की खेती में एक एकड़ से लगभग 5 लाख रुपये तक की बिक्री होती है, जबकि प्रति एकड़ करीब 1 से 1.5 लाख रुपये तक लागत आती है। दशहरा से दीपावली तक फूलों की सर्वाधिक मांग रहती है। इसी अवधि को ध्यान में रखकर वे उत्पादन और बिक्री की तैयारी करते हैं। सिंचाई के लिए उनके पास दो निजी बोरवेल हैं। खेतों में पाइपलाइन बिछाने के साथ आवश्यकता के अनुसार ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की व्यवस्था भी की गई है।

छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा के बाजार में भी मांग

विद्याधर पटेल के खेतों में उत्पादित गेंदा फूल की मांग छत्तीसगढ़ के साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा में भी है। सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, संबलपुर और बरगढ़ सहित ओडिशा के कई क्षेत्रों में फूलों की नियमित आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा सारंगढ़, रायगढ़, सक्ती, चांपा, कोरबा, अंबिकापुर और जशपुर तक भी फूल भेजे जाते हैं। सीजन के दौरान प्रतिदिन लगभग 12 से 15 गाड़ियों के माध्यम से फूलों का वितरण किया जाता है। फूलों की बिक्री नगद होती है और श्रमिकों तथा वाहन चालकों का भुगतान भी नियमित रूप से किया जाता है।

परिवार का सहयोग, 15 से 20 लोगों को रोजगार

फूल की इस खेती की सफलता में विद्याधर पटेल के परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी पत्नी और तीनों बेटियां खेती के काम में बराबर सहयोग करती हैं। इसके साथ ही गांव के 15 से 20 श्रमिक नियमित रूप से उनके साथ काम करते हैं। फूलों को बाजार तक पहुंचाने के लिए उनके अपने वाहनों के अलावा प्रतिदिन 8 से 10 वाहन किराये पर भी लेने पड़ते हैं।

किरंदुल मेन मार्केट को व्यवस्थित करने प्रशासन ने चलाया अभियान, 24 व्यापारियों को निर्धारित स्थल पर किया स्थानांतरित

किरंदुल। नगर के मेन मार्केट में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने एवं आम नागरिकों को सड़क पर आवागमन की परेशानी से निजात दिलाने के उद्देश्य से प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद किरंदुल द्वारा 21 नवंबर 2026 को बाजार व्यवस्थित करने की कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि मेन मार्केट में पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण कई व्यापारी मुख्य सड़क एवं शेड पर दुकानें संचालित कर रहे थे। इससे आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। समस्या के निराकरण के लिए प्रशासन द्वारा 22 अक्टूबर 2026 को कुल 24 व्यापारियों को चोपाटी हेतु निर्मित स्थल पर 7म20 फीट के आकार की दुकानें लॉटरी पद्धति से आवंटित की गई थीं। व्यापारियों को 17

नागरिकों एवं राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिलेगी



नवंबर 2026 तक अपनी पुरानी दुकानें हटाकर आवंटित स्थल पर दुकानें संचालित करने की सहमति दी गई थी। इसी क्रम में 21 नवंबर को प्रशासन एवं नगर पालिका की संयुक्त मौजूदगी में बाजार को व्यवस्थित करने की कार्रवाई की गई। इस दौरान नायब तहसीलदार केजराम पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशिभूषण महापात्र, थाना प्रभारी संजय पटेल, उप अभियंता संजय मार्कंडेय, राजस्व उप निरीक्षक नरेश साहू एवं सहायक राजस्व निरीक्षक गौरीशंकर, मनराखन ठाकुर, नागेश चौरे एवं मनीषा ठाकुर सहित नगर पालिका का अमला भी मौके पर मौजूद रहा। प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार क्षेत्र को अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित दुकानों से मुक्त कर यातायात व्यवस्था बेहतर बनाना, आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा व्यापारियों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराना है। इस कार्रवाई से किरंदुल के मेन मार्केट को व्यवस्थित स्वरूप मिलने की उम्मीद है। साथ ही बाजार में खरीदारी करने आने वाले नागरिकों एवं राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

बच्चों की नियमित विद्यालय उपस्थिति गंभीर चिंता का विषय : अंजना सिंह परिहार

जांजगीर-चांपा। बच्चों की विद्यालय में घटती एवं अनियमित उपस्थिति को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुरदा की व्याख्याता अंजना सिंह परिहार ने कहा है कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार और उसके उज्ज्वल भविष्य का मजबूत आधार है। केवल विद्यालय में नामांकन करा देना पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे का नियमित रूप से स्कूल पहुंचना और शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करना आवश्यक है। अंजना सिंह परिहार ने कहा कि बच्चों की अनियमित उपस्थिति के पीछे आर्थिक अभाव, पारिवारिक परिस्थितियां, अभिभावकों में जागरूकता की कमी, विद्यालय की दूरी और पढ़ाई के प्रति अरुचि जैसे कई कारण हो सकते हैं। ऐसे बच्चों को केवल अनुपस्थित चिह्नित करने के बजाय उनकी समस्याओं को समझकर समाधान तलाशना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षण को रोचक, आनंददायक और गतिविधि आधारित बनाने के साथ ही कमजोर एवं संकोची बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए। लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों से संवाद स्थापित करना भी प्रभावी पहल हो सकती है। उन्होंने बालसभा, कहानी-कविता, खेलकूद, प्रश्नोत्तरी और प्रतिभा प्रदर्शन जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को विद्यालय से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की नियमित उपस्थिति केवल शिक्षक या विद्यालय की नहीं, बल्कि अभिभावकों और समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। अंजना सिंह परिहार ने कहा कि विद्यालय ऐसा स्थान होना चाहिए।

दुर्ग में अपराध नियंत्रण को लेकर DGP सख्त, सड़क हादसों में मौतें कम करने और नशा उन्मूलन पर दिए निर्देश

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक (DGP) अरुण देव गौतम ने शुक्रवार को दुर्ग पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अपराध नियंत्रण, सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या कम करने, नशा उन्मूलन और साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मणिशंकर चंद्रा सहित जिले के अन्य राजपत्रित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पीपीटी के माध्यम से वर्ष 2026 में दुर्ग पुलिस द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इसमें जिले में घटित अपराधों का तुलनात्मक विश्लेषण, अपराधों की रोकथाम के लिए की गई कार्रवाई, यातायात व्यवस्था में सुधार, सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में आई कमी और पुलिस विभाग की कल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी दी गई।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश- DGP ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को गंभीरता से लेते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफलगातार सघन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से अपने-अपने अनुभाग और थाना क्षेत्रों में प्रभावी पर्यवेक्षण करते हुए ऐसी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा, जिससे सड़क हादसों और उनमें होने वाली मौतों की संख्या में कमी लाई जा सके।



नशे की लत से बच्चों और युवाओं को बचाने पर जोर- नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और नशामुक्ति को लेकर DGP ने विशेष जोर दिया। उन्होंने नशे की लत में फंसे बच्चों और युवाओं की पहचान कर उनकी काउंसलिंग और पुनर्वास पर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों और युवाओं को केवल कार्रवाई के दायरे में रखने के बजाय नशे की लत से बाहर निकालकर समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए समुचित कार्ययोजना तैयार की जाए।

इसके लिए एएनटीएफ और संबंधित राजपत्रित अधिकारियों को नशामुक्ति केंद्रों एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

साइबर अपराधों पर बेहतर समन्वय से कार्रवाई- बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए DGP ने साइबर सेल के अधिकारियों को अन्य जिलों और संबंधित पुलिस इकाइयों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सूचनाओं के आदान-प्रदान और आपसी सहयोग के माध्यम से साइबर अपराधियों के खिलाफप्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

15 बिंदुओं पर नियमित पुलिस पर्यवेक्षण के निर्देश- DGP ने राजपत्रित अधिकारियों को 15 निर्धारित बिंदुओं पर नियमित पुलिस पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए। इनमें थानों का नियमित निरीक्षण, लंबित अपराधों और विवेचनाओं की समीक्षा, विवेचना की गुणवत्ता एवं समयबद्धता, केस डायरी का अवलोकन, अभिलेखों का संधारण, कानून-व्यवस्था की समीक्षा, गंभीर घटनाओं पर घटनास्थल निरीक्षण, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, फरार आरोपियों एवं वारंट की तामिली, लंबित चालान, पुलिस बल की कार्यप्रणाली एवं अनुशासन, आमजन से व्यवहार और शिकायतों का निराकरण शामिल हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस पर्यवेक्षण केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि विवेचना, कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली में सुधार के लिए नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

बैठक में DGP ने अपराध नियंत्रण के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को सक्रियता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

एक लाख दीपों की रौशनी से रौशन होगा बैकुंठ धाम सरोवर

देव दीपावली पर भिलाई में होगा संतों का समागम...

भिलाई -भिलाई का बैकुंठ धाम सरोवर एक बार फिर भव्य दीपोत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भारत सेवा संघ द्वारा यहां कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का मुख्य आकर्षण एक लाख दीपों का प्रज्वलन होगा, जिससे बैकुंठ धाम सरोवर दीपों की रोशनी से जगमगा उठेगा। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी कड़ी में आयोजकों ने बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की।

इस धार्मिक आयोजन में परम पूज्य श्री चिन्मयानंद जी महाराज और महात्यागी बालक दास जी महाराज की विशेष उपस्थिति रहेगी। संतों के समागम के साथ भक्तिमय संध्या का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति का उद्देश्य कार्तिक पूर्णिमा के



धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को जन-जन तक पहुंचाना और सामूहिक दीप प्रज्वलन के माध्यम से श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश देना है। कुल मिलाकर बैकुंठ धाम सरोवर में होने वाला यह महोत्सव केवल दीपों का उत्सव नहीं, बल्कि आस्था, अध्यात्म और संत परंपरा का संगम बनने जा रहा है। एक लाख दीपों की जगमगाहट और संतों के सानिध्य में भिलाई में देव दीपावली का भव्य नजारा देखने को मिलेगा। रविवार को आयोजित भारत सेवा संघ की अहम बैठक में प्रभुनाथ मिश्रा, डॉ संजय तिवारी, कार्यक्रम के संयोजक चंद्र प्रकाश सोनी ,विनोद सिंह,पुरुषोत्तम टावरी,कमल सोनी,रवि साहू,अरविंद जैन,त्रिलोचन सिंह, छोटेलाल चौधरी,अशोक मिश्रा,शिवराम केशरवानी, परस साहू,मुन्ना नायक, अतुल चक्रवर्ती,नीरज तिवारी,विजय सोनी,चंद्रिका प्रसाद तिवारी,संतोष भारद्वाज,अमित पांडे,सुमित,राजा हावेंगे,राजीव तिवारी,कृष्ण शंकर तिवारी,नारायण दत्त,मान सिंह, अखिलेश सिंह,अनिल कुमार डहरे,मुकेश तिवारी,अजय सिंह,अजय गुप्ता,हरेन्द्र यादव,विष्णु मिश्रा,दिलीप,निरंकार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

8 से 10 जनवरी तक होगा साहित्य महोत्सव का आयोजन, तैयारियों को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

रायपुर। आगामी 8,9,एवं 10 जनवरी को आयोजित होने वाले साहित्य महोत्सव की तैयारियों को लेकर आज महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने महोत्सव के आयोजन की तैयारियों एवं प्रस्तावित रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में साहित्य महोत्सव के सफल एवं गरिमामय आयोजन के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं, कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। महोत्सव को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर आयोजन की तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साहित्य महोत्सव के माध्यम से साहित्य, कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन देने तथा साहित्यप्रेमियों को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित, जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक उमेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बेटे की कस्टडी पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, मां के साथ रहना चाहता है 14 साल का बेटा

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बच्चे की कस्टडी से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए पिता की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि महज आशंकाओं और आरोपों के आधार पर बच्चे की कस्टडी नहीं बदली जा सकती। तलाक के करीब साढ़े तीन साल बाद 14 वर्षीय बेटे की कस्टडी मांग रहे पिता को कोर्ट से राहत नहीं मिली। सुनवाई के दौरान बच्चे ने भी मां के साथ रहने की इच्छा जाहिर की। मामला बिलासपुर और कोरबा के एक डॉक्टर दंपती से जुड़ा है। दोनों का विवाह 23 जनवरी 2011 को हुआ था। आपसी विवाद के चलते 29 अप्रैल 2023 को उनका तलाक हो गया। इसके बाद मई 2023 में लोक अदालत में हुए समझौते के तहत पिता को बच्चे के भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह 15 हजार रुपये देने और प्रत्येक रविवार बेटे से मुलाकात करने का अधिकार दिया गया था। कुछ समय बाद पिता ने बेटे की कस्टडी के लिए अदालत में याचिका दायर की।

पटवारियों की हड़ताल के बीच धान खरीदी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल के बीच समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला जारी है। राज्य सरकार के मुताबिक, प्रशासन की वैकल्पिक व्यवस्था के चलते खरीदी प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है। शुरुआती दो दिनों में ही प्रदेश के किसानों से 7 लाख 62 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी की जा चुकी है। धान खरीदी शुरू होने से पहले ही पटवारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए थे। इसके बावजूद सरकार ने मार्कफेड, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को खरीदी व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी है। जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की सेवाएं भी ली जा रही हैं।

शैक्षणिक भ्रमण पर रायपुर पहुंचे छात्र-छात्राओं ने वित्त मंत्री से की आत्मीय मुलाकात

बड़े सपने देखें,लक्ष्य निर्धारित करें और पूरी लगन से आगे बढ़ें: वित्तमंत्री

- वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों से किया संवाद, अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा कर दी सफलता की प्रेरणा
- रायपुर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण कर विद्यार्थियों ने प्राप्त की नई जानकारियां

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने आज रायगढ़ जिले से शैक्षणिक भ्रमण पर रायपुर पहुंचे छात्र-छात्राओं से अपने रायपुर स्थित निवास पर आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, करियर, भविष्य की संभावनाओं और जीवन में सफलता प्राप्त करने के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने बच्चों को बड़े सपने देखने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें साकार करने के लिए पूरी लगन, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। रायगढ़ जिले से आए छात्र-छात्राओं ने रायपुर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण कर वहां की शैक्षणिक गतिविधियों, अध्ययन की सुविधाओं और उच्च शिक्षा के अवसरों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने वित्त मंत्री श्री चौधरी से उनके रायपुर निवास पर मुलाकात की। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने उनके निवास का भी भ्रमण किया। वित्त मंत्री ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने



कहा कि रायगढ़ से आए बच्चों से मिलकर उन्हें अपने बचपन और विद्यार्थी जीवन के दिनों की स्मृतियां ताजा हो गईं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति, कठिन परिश्रम और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प हो, तो सफलता की राह बनाई जा सकती है। श्री चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस दौरान अर्जित ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और अनुभव जीवनभर काम आते हैं। उन्होंने बच्चों को अपनी जिज्ञासा बनाए रखने, नई चीजें सीखने और उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य का आधार है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार रायगढ़ सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और विकास के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों के ज्ञान और अनुभव का दायरा बढ़ाने के साथ उन्हें नई संभावनाओं से परिचित कराती हैं। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को नजदीक से देखने और वहां की व्यवस्थाओं को समझने से विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा तथा अपने भविष्य को लेकर नई सोच विकसित होती है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रायगढ़ के ये विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, मेहनत और संकल्प के बल पर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे तथा अपने परिवार, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

धान खरीदी को लेकर किसानों में भारी उत्साह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाअभियान शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णयों से धान खरीदी को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इसका उदाहरण गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत रोहिणा में देखने को मिला, जहां किसान ओम प्रकाश वर्मा ने ग्रामीण सेवा सहकारी समिति कौन्दकेरा में 70 क्विंटल धान विक्रय के लिए टोकन कटाया है। वर्मा ने बताया कि इस वर्ष किसानों में धान खरीदी को लेकर विशेष उत्साह है। उन्होंने कहा कि चक्रवात के कारण फसल को नुकसान पहुंचा है, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में किसानों को चिंता थी कि कम उत्पादन होने पर उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने किसानों की इस चिंता को दूर करने वाला ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कृषक उन्नति योजना के तहत ऐसा प्रावधान किया है, जिससे 21 क्विंटल प्रति एकड़ की निर्धारित सीमा से कम धान विक्रय करने वाले पात्र किसानों को भी सत्यापित बोए गए रकबे के आधार पर 13 हजार 839 रुपये प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि मिलेगी। यह निर्णय किसानों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का यह कदम किसानों के हितों के लिए है।

मुख्यसचिव ने बस्तर संभाग के समग्र विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा की.....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर संभाग से जुड़े विभिन्न विकासात्मक और प्रस्तावित बजट की समीक्षा की गई। बैठक में बस्तर क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, आजीविका, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, वनाधिकार और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने से संबंधित प्रस्तावों एवं उनकी प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भारत सरकार के जनजातीय मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री मनीष ठाकुर एवं संचालक समीधा सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। मुख्य सचिव ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों और बालवाड़ियों में जनजातीय भाषाओं पर आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने के



लिए हलबी, गोंडी और भतरी जैसी भाषाओं में शिक्षण सामग्री, कार्य पुस्तिकाएं, चित्र पुस्तकें, द्विभाषी शब्दकोश तथा शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की समझ, सहभागिता और राज्य भाषा में सहज संक्रमण को सुदृढ़ करने पर विचार किया गया। बैठक में बस्तर क्षेत्र के लिए जिलावार एवं कक्षावार विवरण तथा बस्तर जिले में पायलट पहल से जुड़े प्रस्तावों पर आवश्यक कार्यवाही पर विचार-विमर्श किया गया। स्वास्थ्य, पोषण और रोग उन्मूलन मिशन कुपोषण प्रभावित पीवीटीजी क्षेत्रों में समुदाय द्वारा संचालित क्रेच के संचालन तथा जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में सिकल सेल डिजीज के लिए 'सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस' की स्थापना से जनजातीय समुदायों को उन्नत निदान, उपचार और क्षमता निर्माण की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्ययोजना पर चर्चा हुई। जनजातीय क्षेत्रों में मलेरिया और टीबी उन्मूलन मिशन के तहत आईसीएमआर-एनआईएचआर के साथ समन्वय एवं संस्थागत स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण से जुड़ी प्रगति की समीक्षा की गई। आजीविका, कृषि, जल संसाधन और जनजातीय संस्कृति क्लस्टर आधारित एकीकृत कृषि एवं जल संसाधन विकास के अंतर्गत मिलेट्स, दलहन।

नगरीय निकाय चुनाव दावेदारों में पूर्व महापौर,उनकी पत्नियों से लेकर बड़े नेताओं के करीबी तक शामिल



रायपुर। संवाददाता

प्रदेश के चार नगर निगम भिलाई, बीरगांव, रिसाली और भिलाई-चरौदा के अलावा पांच नगर पालिका और आठ नगर पंचायतों सहित कुल 17 नगरीय निकायों में होने वाले चुनाव को लेकर हलचल तेज हो चुकी है. मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद एक या दो दिसंबर को चुनाव की तारीखों की घोषणा होने की संभावना है. चुनाव की सुगबुगाहट के बीच लोगों की निगाहें मुख्यत: चार नगरीय निकायों पर लगी हुई है, जिसमें सबसे ज्यादा चर्चा महापौर पद को लेकर है. महापौर पद के लिए मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी तथा जोहार छत्तीसगढ़ के भी नेता सक्रिय हैं. दावेदारों में जो नाम उभरकर सामने आ रहे हैं, उनमें कई पूर्व महापौर, उनकी पत्नियां के अलावा बड़े नेताओं के नजदीकी रिश्तेदार भी शामिल हैं. प्रदेश में जिन नगरीय निकायों का चुनाव होना है, उनमें से सबसे ज्यादा चर्चा भिलाई नगर निगम की है. भिलाई नगर निगम में महापौर का पद पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित है. इस प्रतिष्ठित पद के लिए कांग्रेस के अनेक दावेदार हैं, इनमें वर्तमान महापौर नीरज पाल के अलावा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश चन्द्राकर, वर्तमान निगम सभापति बंटी साहू, जोन अध्यक्ष व पार्षद भूपेन्द्र यादव, और प्रदेश कांग्रेस सचिव अतुलचन्द साहू शामिल हैं. वहीं भाजपा की ओर से महापौर पद के दावेदारों में भिलाई निगम में विधायक रिकेश सेन का नाम सबसे आगे चल रहा है. उनके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष पुरषोत्तम देवांगन, पूर्व जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ पार्षद महेश वर्मा, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा के अलावा जिला भाजपा संयोजक आरटीआई प्रकोष्ठ मदन सेन की भी दावेदारी बताई जा रही है. भिलाई निगम के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भाजपा सांसद विजय बघेल के दबदबे वाले भिलाई-चरौदा नगर निगम चर्चा में है. इस निगम से महापौर पद केलिए कांग्रेस से सुजीत बघेल का नाम फाइनल माना जा रहा है, क्योंकि केवल उनकी ओर से ही आवेदन दिया गया है. वहीं सभापति कृष्णा चन्द्राकर ने स्वास्थ्यगत कारणों से आवेदन नहीं दिया है. कांग्रेस के उलट भाजपा में महापौर पद के लिए तीन दावेदार हैं. इनमें दिलीप पटेल, प्रेमलाल साहू और शशिकांत बघेल शामिल हैं. लेकिन सामाजिक समीकरण के अनुसार कुर्मी समाज को यहां से प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा, क्योंकि कुम्हारी और दुर्ग में कुर्मी समाज से महापौर और पालिका अध्यक्ष हैं, जिसके कारण शशिकांत बघेल का नाम कट सकता है. रिसाली नगर निगम का महापौर पद अनुसूचित जाति महिला वर्ग के लिए आरक्षित है.

भाजपा ने दिया आदिवासी नायकों को वास्तविक सम्मान- देवलाल ठाकुर.....

रायपुर/ संवाददाता



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर कांग्रेस पार्टी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। ठाकुर ने कहा कि पूरा देश जनजाति गौरव दिवस मना रहा है, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने कहीं भी आदिवासी समाज को इस दिवस की बधाई नहीं दी। श्री ठाकुर मंगलवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत का उल्लेख करते हुए कहा कि वे स्वयं भगवान बिरसा मुण्डा की धरती (झारखण्ड) से आते हैं, इसके बावजूद उन्होंने जनजाति समाज को जनजाति गौरव दिवस की शुभकामनाएं नहीं दीं। श्री ठाकुर ने कहा कि स्वाधीनता संग्राम में आजादी से 100 वर्ष पूर्व से ही आदिवासी समाज के वीर सपूतों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति दी, लेकिन इतिहास के पन्नों में उन्हें अपेक्षित सम्मान नहीं मिल सका। कांग्रेस ने केवल एक परिवार की वंदना के कारण स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए आदिवासी नायकों की उपेक्षा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजाति वर्ग के नायकों को सम्मान देने का बीड़ा उठाया और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इसके माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा, छत्तीसगढ़ के परलकोट के शहीद गेंद सिंह नायक और शहीद वीर नारायण सिंह सहित सभी आदिवासी बलिदानियों को श्रद्धांजलि और सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में आगे लाने और 'विकसित भारत' के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है।

निजी क्षेत्र की भागीदारी से भारत की आर्थिक संभावनाओं को मिलेगी नई उड़ान -अनिल अग्रवाल

मुंबई : हाल ही में सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक पोस्ट में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने FICCI में उद्योग जगत को प्रधानमंत्री के संबोधन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारत की आर्थिक विकास दर को गति देने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विनिर्माण और भारी उद्योग जैसे क्षेत्रों में सरकारी कंपनियों के अधिक निजीकरण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि निजी क्षेत्र के प्रबंधन से उत्पादकता में सुधार, रोजगार सृजन और रूस्रूश्च क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिल सकता है। उनका सुझाव है कि निजीकरण के साथ दो शर्तें अनिवार्य होनी चाहिए—कर्मचारियों की छंटनी न हो और रोजगार के अवसरों में तीन गुना वृद्धि हो। उन्होंने कॉरपोरेट अधिग्रहण के विकल्प के रूप में आम जनता को शेयर आवंटित करने का भी सुझाव दिया। उनके अनुसार, निजीकरण से प्राप्त राशि का उपयोग सरकारी कर्ज कम करने और बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जा सकता है। प्रधानमंत्री के भरोसे पर आधारित व्यवस्था के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए अग्रवाल ने लंबी मंजूरी प्रक्रियाओं के स्थान पर स्व-प्रमाणन (Self-Certification) और सरल नियमों को अपनाने की वकालत की।

उद्यानिकी विभाग की सलाह से मिला नई खेती का रास्ता

उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन और आधुनिक तकनीक से महिला किसान बनीं प्रेरणा

- धान की खेती से आगे बढ़कर सब्जी उत्पादन में रूकमणी ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी
- मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई से बदली खेती की तस्वीर, सब्जियों की बिक्री से बढ़ी परिवार की आमदनी

रायपुर/ संवाददाता

कभी केवल धान की परंपरागत खेती पर निर्भर रहने वाली नारायणपुर जिले की महिला किसान श्रीमती रूकमणी नाग ने अपनी मेहनत, नई सोच और आधुनिक कृषि तकनीकों के सहारे आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने धान की खेती के साथ उन्नत सब्जी उत्पादन को अपनाकर न केवल अपनी आमदनी के नए रास्ते खोले हैं, बल्कि यह भी साबित किया है कि सही मार्गदर्शन और तकनीक के उपयोग से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। उनकी यह पहल आज ग्रामीण महिलाओं और परंपरागत खेती करने वाले किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है। नारायणपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत एड़का निवासी श्रीमती रूकमणी नाग, पति श्री दीनानाथ नाग, पहले मुख्य रूप से धान की खेती करती थीं। परिवार की आजीविका खेती पर ही निर्भर थी, लेकिन सीमित आमदनी के कारण घरेलू जरूरतों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। खेती में भरपूर मेहनत के बावजूद अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं मिलने से उन्होंने आय बढ़ाने के नए विकल्प तलाशने शुरू किए। इसी दौरान उद्यानिकी विभाग का मार्गदर्शन उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बना। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने रूकमणी नाग को परंपरागत धान की खेती के साथ सब्जी उत्पादन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्हें आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों, फसलों की बेहतर देखभाल और कम पानी में प्रभावी सिंचाई की विधियों की जानकारी दी गई। विभागीय मार्गदर्शन से प्रोत्साहित होकर उन्होंने अपने खेत में मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाई तथा सब्जियों की खेती शुरू की। इस बदलाव ने उनकी खेती को नई दिशा दी। मल्चिंग



तकनीक से खेत में नमी बनाए रखने और खरपतवार नियंत्रित करने में सहायता मिली, वहीं ड्रिप सिंचाई से पौधों की जड़ों तक आवश्यकतानुसार पानी पहुंचाना आसान हुआ। इससे पानी का बेहतर उपयोग होने के साथ फसलों की देखभाल भी अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित हो गई। आधुनिक तकनीक से उत्पादित सब्जियों को रूकमणी नाग स्थानीय बाजार में बेच रही हैं। इससे उन्हें नियमित आमदनी मिलने लगी है और परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। पहले जहां परिवार की आय मुख्य रूप से धान की फसल पर निर्भर थी, वहीं अब सब्जी उत्पादन अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण साधन बन गया है। रूकमणी नाग बताती हैं कि उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों की सलाह ने उन्हें खेती में कुछ नया करने का आत्मविश्वास दिया। मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई अपनाने से सब्जियों की खेती करना पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हो गया है। स्थानीय बाजार में उपज बेचकर अच्छी आमदनी मिलने से परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। अब वे खेती को केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक खुशहाली का मजबूत आधार मानती हैं। रूकमणी नाग की सफलता इस बात का उदाहरण है कि परंपरागत खेती के साथ फसल विविधीकरण अपनाकर किसान अपनी आय के स्रोत बढ़ा सकते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यानिकी फसलों का उत्पादन आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन सकता है। नारायणपुर जैसे क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति किसानों की बढ़ती रुचि खेती में सकारात्मक बदलाव की संभावनाओं को मजबूत कर रही है। उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित करने और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के प्रयासों से उन्हें आजीविका के नए अवसर मिल रहे हैं। श्रीमती रूकमणी नाग की कहानी केवल खेती की पद्धति बदलने की नहीं, बल्कि मेहनत, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की कहानी है। उन्होंने यह दिखाया है कि सीमित संसाधनों के बीच भी नई तकनीक और सही मार्गदर्शन से बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सकती है।

संपादकीय

कागजी दावे और लापरवाही, हर साल दिल्ली का दम घुटने का जिम्मेदार कौन?

दिल्ली में हर साल दिवाली और लापरवाही के कारण प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो जाता है। पटाखों की जिद और प्रशासन की ढुलमुल नीतियों के चलते जनता को हर साल जहरीली हवा का खमियाजा भुगतना पड़ता है। पिछले कई सालों से लगातार इस मौसम में प्रदूषण एक संकट के रूप में खड़ा हो जाता है। यह एक खुला तथ्य है कि इसके बावजूद न तो सरकार को एहतियाती कदमों को लेकर गंभीर होना जरूरी लगता है, न ही आम लोग अपने स्तर पर इस समस्या के कारणों पर नियंत्रण की कोशिश करते हैं। खासतौर पर दिवाली के त्योहार के मौके पर लोगों के भीतर जिस तरह की लापरवाही देखी जाती है, वह हैरान करने वाली होती है।प्रदूषण को ज्यादा जटिल बनाने में पटाखों की भूमिका छिपी नहीं रही है। उसके बावजूद बहुत सारे लोग बेलगाम होकर दिवाली पर आतिशबाजी करते हैं। नतीजतन, दिवाली की रात से लेकर अगले कई दिनों तक दिल्ली की आबोहवा में व्यापक पैमाने पर प्रदूषण घुल जाता है और पीएम 2.5 सूक्ष्म कणों की मात्रा बेहद खतरनाक स्तर पर चली जाती है।विचित्र है कि इस समस्या की मार झेलने के बावजूद लोग जश्न मनाने के लिए हवा में जहर घोलने वाले पटाखे चलाने की अपनी इच्छा पर नियंत्रण नहीं रख पाते। सवाल है कि इसका खमियाजा किसे भुगतना पड़ता है! दूसरी ओर, सरकार की हालत यह है कि प्रदूषण के सवाल पर वह हर तरह की सख्ती बरतने की घोषणा करती है, वाहनों की आवाजाही और पराली जलाने से लेकर निर्माण कार्यों पर रोक जैसे नियंत्रण के कई नियम लागू करती है, लेकिन आतिशबाजी को लेकर उसका रवैया ढुलमुल होता है। जब संकट का स्वरूप बेलगाम होने लगता है, तब रस्म पूरा करने के लिए वह और ज्यादा कड़े कदम उठाने की घोषणा करती है।इस साल दिवाली की रात और उसकी अगली सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक चार सौ से भी काफी ज्यादा चला गया था। जाहिर है, अगर स्थिति इस हद तक बिगड़ने से रोकने के लिए सख्त कदम पहले उठाए गए होते, तो शायद प्रदूषण के संकट को थोड़ा कम किया जा सकता था। गौरतलब है कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद शनिवार को प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली सहित एनसीआर के शहरों में प्रदूषण नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए अधिकारियों की जवाबदेही तय करने समेत कई निर्देश दिए।इसके अलावा, एनसीआर के 191 औद्योगिक इकाइयों को सील करने के आदेश दिए गए। जबकि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 30 अक्तूबर को ही हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उन औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, जिन्होंने वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाए थे। दिल्ली में प्रदूषण का संकट गहराने की वजहें किसी से छिपी नहीं हैं।ऐसा भी नहीं है कि सरकारी तंत्र को इस जटिल परिस्थिति का अंदाजा नहीं होता। मगर सरकार पहले से ही प्रदूषण पर नियंत्रण के नाम पर कई नियम-कायदे लागू करने की सिर्फ घोषणा करती रहती है। जबकि असली समस्या उनके कार्यान्वयन की है।

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत की मानवीय सेवा यात्रा

व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

(ललित गर्ग)

अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं।

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है-क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों-खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण-संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन-दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्ही हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है। लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है। अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को



जन्म देती है-किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं, जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं। यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग-घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है, तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है।

वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। यहां पशुओं के उपचार, पुनर्वास और संरक्षण के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। रिलायंस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वंतारा में विशेषीकृत वन्यजीव अस्पताल, पशु चिकित्सा सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, पोषण केंद्र और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम भी संचालित हैं। यानी यह केवल 'पशुओं को बचाने' की भावना नहीं है, इसके साथ विज्ञान, चिकित्सा, जैव-विविधता और दीर्घकालीन संरक्षण को जोड़ा गया है। यही वह जगह है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति कहती है-'अहिंसा परमो धर्मः', जबकि आधुनिक विज्ञान कहता है कि जैव-विविधता का संरक्षण मानव सभ्यता के भविष्य के लिए आवश्यक है। वंतारा इन दोनों विचारों को एक साझा धरातल देता है। इसी सोच का विस्तार अक्टूबर 2026 में आरंभ हुई 'चैंपियंस ऑफ केयर' पहल में भी दिखाई देता है। विश्व पशु दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत 50 से अधिक पशु कल्याण संगठनों को साथ लाने का प्रयास किया गया है, जो सामुदायिक कुत्तों, बिल्लियों, मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चिकित्सा, बचाव और दीर्घकालीन देखभाल का काम करते हैं। इसका लक्ष्य पशु कल्याण को केवल एक बड़े केंद्र तक सीमित रखने के बजाय देशभर के जमीनी संगठनों तक सहायता पहुँचाना है। यहाँ अनंत अंबानी के दृष्टिकोण की एक और विशेषता दिखाई देती है-केंद्रीकरण से सहयोग की ओर बढ़ना। यदि देश में पहले से काम कर रहे छोटे-छोटे पशु कल्याण संगठन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें खत्म करने के बजाय मजबूत करना अधिक प्रभावी सामाजिक मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में पशु कल्याण के लिए एक राष्ट्रीय नेटवर्क का आधार बन सकता है।

अनंत की सोच को केवल भावुकता कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इतने बड़े पशु-कल्याण अभियानों की वास्तविक कसौटी पारदर्शिता, वैज्ञानिक मानक, पशु-अधिकार, दीर्घकालीन पुनर्वास, जैव-सुरक्षा और स्वतंत्र मूल्यांकन होगी। वंतारा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ प्रश्न और बहसें भी हुई हैं, इसलिए ऐसे विशाल संस्थानों के लिए पारदर्शिता और प्रमाण-आधारित संचालन उतना ही आवश्यक है जितना करुणा। यही आलोचनात्मक कसौटी किसी भी बड़े परोपकारी प्रयास को अधिक विश्वसनीय बनाती है। करुणा भाव है, लेकिन करुणा का स्थायी प्रभाव व्यवस्था से पैदा होता है। इसीलिए अनंत अंबानी के बारे में यह कहना अधिक उचित होगा कि वे व्यापार की पुरानी परिभाषा को अस्वीकार करने के बजाय उसमें एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि उन्होंने स्वयं सिद्ध कर दिया है कि हर बड़ा व्यापार ईमानदारी और नैतिकता से ही चलता है, पर यह अवश्य कहा जा सकता है कि उनका सार्वजनिक आचरण यह संदेश देता है कि व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और मानवीय संवेदना एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं।

अनंत अंबानी के व्यक्तित्व का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम उनके हालिया जियो संबोधन में सामने आया। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता के अवसर पर उन्होंने सफलता का श्रेय केवल परिवार या प्रबंधन को नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को दिया। उन्होंने व्यापार को पूजा और शेयर बाजार की घंटी को मंदिर की घंटी से जोड़ते हुए कहा कि पूजा का प्रसाद बांटा जाता है और आज जियो भारत के साथ साझा किया गया है। उनके संबोधन के दौरान मुकेश अंबानी भावुक होकर आँसू पोंछते दिखाई दिए। यह प्रसंग महज पारिवारिक भावुकता नहीं था। इसमें व्यापार के अर्थ की एक नई व्याख्या छिपी थी-व्यापार केवल मालिक का नहीं, उससे जुड़े करोड़ों लोगों का भी होता है। जियो की सफलता को उन्होंने कर्मचारियों, तकनीशियनों, सेवा-कर्मियों, खुदरा भागीदारों और सामान्य भारतीयों की भागीदारी से जोड़ा। यही दृष्टि व्यापार को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाती है।

एचएफसीएल के अध्यक्ष एवं दूरसंचार क्षेत्र के वरिष्ठ उद्योगपति महेंद्र नाहटा लंबे समय से जियो की यात्रा से जुड़े रहे हैं और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के निदेशक मंडल में भी रहे हैं। उनके दृष्टिकोण से अनंत अंबानी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह मानी जा सकती है कि उन्होंने तकनीक और व्यवसाय की आधुनिक दुनिया को सेवा, संस्कार और संवेदना से जोड़ने की कोशिश की है। जियो की ऐतिहासिक सफलता के अवसर पर अनंत के भावपूर्ण संबोधन में नाहटा ने भी भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और मानवीय संवेदना के संगम की झलक देखी-ऐसा विचार उनके हालिया लेख में व्यक्त हुआ है। अनंत ने एक महत्वपूर्ण बहस शुरू कर दी है-क्या कारोबार का अंतिम लक्ष्य केवल लाभ है, या लाभ के साथ लोकमंगल भी? यदि व्यापार में तकनीक हो, तो वह विकास बनता है। उसमें पूंजी हो, तो वह विस्तार बनता है। लेकिन उसमें करुणा जुड़ जाए, तो वही व्यापार सेवा का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की गौसेवा, वंतारा और सामुदायिक पशु कल्याण की पहलें इसी संभावित परिवर्तन की कहानी कहती हैं। **लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी

(प्रह्लाद सबनानी)

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को +बीमारु+ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को बीमारु राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को बीमारु राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली ! दुनिया में अशांति फैलाने वाले ट्रंप-पुतिन जिनपिंग करेंगे शांति की बात

क्या छोटे देशों की संप्रभुता, उनकी सुरक्षा और उनके भविष्य पर भी इन तीनों की बातचीत का प्रभाव पड़ेगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों की चिंता इसी वजह से बढ़ रही है। कहीं यह मुलाकात 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी किसी नई वैश्विक शक्ति व्यवस्था की शुरुआत तो नहीं बनने जा रही, जहां बड़ी ताकतें अपने हितों के अनुसार दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का निर्धारण करने लगें? बहरहाल, तीन नेता, तीन महाशक्तियां और पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़े कई बड़े सवाल सामने हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं। दुनिया में वैसे तो तमाम तरह के विरोधाभास देखने को मिलते रहे हैं, लेकिन अब दुनिया की तीन सबसे बड़ी शक्तियां खुद एक ऐसा कदम उठाने जा रही हैं, जिसे इस दौर का सबसे बड़ा विरोधाभास कहा जा सकता है। दुनिया को युद्ध, तनाव और टकराव की आग में झोंकने वाली ये तीनों ताकतें अब एक मंच पर बैठकर शांति और वैश्विक स्थिरता पर चर्चा करने जा रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की इस प्रस्तावित मुलाकात को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता है। उत्सुकता इसलिए है क्योंकि ट्रंप लगातार ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकियां दे रहे हैं, पुतिन लगभग पांच साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हैं और जिनपिंग ताइवान से लेकर दक्षिण चीन सागर तक अपनी सैन्य और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पड़ोसी देशों की चिंता बढ़ा रहे हैं, लेकिन अब यही तीनों नेता दुनिया को शांति का रास्ता दिखाने के लिए एक साथ बैठेंगे। ऐसे में सवाल सिर्फ इस बैठक के एजेंडे का नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे उन सामरिक और रणनीतिक उद्देश्यों का भी है, जिनका असर आने वाले समय में पूरी दुनिया की राजनीति पर पड़ सकता है।



देखा जाये तो हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं। ईरान के साथ सैन्य टकराव, अमेरिकी हमले और तेहरान के जवाबी पलटवार ने पूरे मध्य पूर्व को बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया। इस संघर्ष ने न केवल बड़ी संख्या में लोगों की जान ली, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर भी महंगाई का बोझ बढ़ाया। ईरान को लेकर ट्रंप का लगातार बदलता रुख कभी सैन्य धमकियों, कभी अधिकतम दबाव और कभी बातचीत की पेशकश के रूप में सामने आता रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शेनझेन में होने वाली बैठक ट्रंप की वास्तविक शांति पहल है या फिर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के मुखिया के रूप में अपना दबदबा स्थापित करने का एक और मंच है? दूसरी तरफ व्लादिमीर पुतिन हैं। यूक्रेन के साथ रूस का युद्ध लगभग पांच साल पूरे करने की तरफ बढ़ रहा है। अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है, कई शहर तबाह हुए हैं और यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था दशकों के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। जिस युद्ध को रूस ने अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों का सवाल बताकर शुरू किया था, वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हो चुका है। ऐसे में सवाल यह है कि पुतिन शांति की बातचीत में क्या प्रस्ताव लेकर पहुंचेंगे? क्या वह युद्ध समाप्त करने का रास्ता तलाशेंगे या अपनी सैन्य कार्रवाई से हासिल किए गए क्षेत्रीय और राजनीतिक लाभ को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की कोशिश करेंगे?

पुतिन के लिए इस बैठक का एक बड़ा फायदा यह भी है कि अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति के साथ एक ही मंच पर बैठना रूस की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को नई वैधता और प्रतिष्ठा दे सकता है। देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों के बीच यह तस्वीर मॉस्को के लिए अपने आप में बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी।

कथित शांति की चाह रखने वाले तीसरे खिलाड़ी शी जिनपिंग हैं। देखा जाये तो चीन एक तरफ खुद को वैश्विक शांति और सहयोग का समर्थक बताता है, दूसरी तरफ ताइवान को लेकर उसकी सैन्य और राजनीतिक धमकियां लगातार क्षेत्रीय तनाव बढ़ाती हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन की विस्तारवादी गतिविधियां फिलीपींस, वियतनाम और अन्य पड़ोसी देशों की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती रही हैं। समुद्री क्षेत्रों पर दावेदारी, सैन्य ठिकानों का विस्तार और क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिशें चीन की महत्वाकांक्षाओं को उजागर करती हैं। सवाल है कि ताइवान और दक्षिण चीन सागर में दबाव की राजनीति करने वाले जिनपिंग शेनझेन में किस तरह की शांति व्यवस्था की बात करेंगे? क्या चीन अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता करने के लिए तैयार है? देखा जाये तो इस बैठक के मायने केवल शांति की अपील तक सीमित नहीं हैं। इसके पीछे परमाणु हथियारों का संतुलन, वैश्विक सैन्य वर्चस्व, आर्थिक हित और नई विश्व व्यवस्था की लड़ाई भी छिपी है। अमेरिका चाहता है कि चीन भी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण से जुड़ी बातचीत में शामिल हो। रूस के साथ अमेरिका की पुरानी परमाणु हथियार नियंत्रण व्यवस्था समाप्त हो चुकी है और वाशिंगटन अब बीजिंग को भी इस व्यवस्था का हिस्सा बनाना चाहता है। लेकिन चीन के परमाणु हथियारों का भंडार अमेरिका और रूस की तुलना में काफी छोटा है। ऐसे में जिनपिंग क्यों ऐसी बातचीत में शामिल होंगे जिसमें उनकी सामरिक बढ़त के बजाय उनकी शक्ति को सीमित करने पर चर्चा हो?

देखा जाये तो पुतिन के लिए यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के साथ सीधे संवाद का रास्ता महत्वपूर्ण है, जबकि जिनपिंग के लिए यह साबित करने का अवसर है कि दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच किसी भी नए वैश्विक समीकरण में चीन की भूमिका निर्णायक होगी। वहीं ट्रंप के लिए यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी नेतृत्व क्षमता और कूटनीतिक प्रभाव दिखाने का मौका है। साथ ही इस बैठक को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया की व्यवस्था अब तीन महाशक्तियों के आपसी समझौतों से तय होगी? क्या छोटे देशों की संप्रभुता, उनकी सुरक्षा और उनके भविष्य पर भी इन तीनों की बातचीत का प्रभाव पड़ेगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों की चिंता इसी वजह से बढ़ रही है। कहीं यह मुलाकात 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी किसी नई वैश्विक शक्ति व्यवस्था की शुरुआत तो नहीं बनने जा रही, जहां बड़ी ताकतें अपने हितों के अनुसार दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का निर्धारण करने लगें? बहरहाल, तीन नेता, तीन महाशक्तियां और पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़े कई बड़े सवाल सामने हैं। शांति की मेज पर आमने-सामने बैठने जा रहे इन तीनों नेताओं की असली परीक्षा इस बात से होगी कि वे अपनी सामरिक महत्वाकांक्षाओं और वैश्विक वर्चस्व की होड़ से कितना पीछे हटने को तैयार हैं।



12 नवंबर से ड्राइवरों का अनिश्चितकालीन 'स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन', अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने के बजाय घरों में रहेंगे चालक

किरंदुल, दंतेवाड़ा। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ड्राइवरों ने 12 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। ऑल इंडिया ड्राइवर संयुक्त कमेटी एवं बैलाडीला ड्राइवर्स संगठन, किरंदुल की ओर से जारी अपील में सभी ड्राइवर साथियों से आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया गया है। जारी अपील के अनुसार, ड्राइवरों का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर इंतजार किया, लेकिन अब अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का समय आ गया है।

ड्राइवरों की प्रमुख मांगें: ड्राइवर आयोग एवं ड्राइवर कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए। प्रत्येक ड्राइवर को 20 लाख रुपये का बीमा दिया जाए। 60 वर्ष की उम्र के बाद ड्राइवरों को पेंशन की सुविधा मिले। 1 सितंबर को राष्ट्रीय ड्राइवर दिवस घोषित कर सरकारी छुट्टी दी जाए। संगठन की अपील में कहा गया है कि यह आंदोलन केवल एक दिन का नहीं है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक ड्राइवर अपनी गाड़ियां खड़ी रखेंगे और स्टेयरिंग नहीं संभालेंगे।ड्राइवरों ने सभी साथियों से एकजुट रहने और आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। अबकी बार आर-पार! ड्राइवर एकता जिंदाबाद!



किरंदुल ट्रक यूनियन के ड्राइवरों की हड़ताल से खनन अर्थव्यवस्था ठप, करोड़ों के नुकसान की आशंका

किरंदुल। किरंदुल में ट्रक यूनियन के ड्राइवरों की हड़ताल के चलते क्षेत्र की खनन अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ रहा है। ट्रकों का परिचालन प्रभावित होने से खनन से जुड़े परिवहन और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां ठप पड़ गई हैं।ड्राइवरों का कहना है कि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। यदि हड़ताल लंबी खिंचती है, तो क्षेत्र को करोड़ों रुपये का नुकसान झेलना पड़ सकता है।इस हड़ताल से खनन कार्यों, परिवहन कारोबार और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। अब सभी की नजरें ट्रक यूनियन और संबंधित प्रबंधन के बीच होने वाली बातचीत पर टिकी हैं। ड्राइवरों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो किरंदुल की आर्थिक गतिविधियों पर संकट और गहरा सकता है।

रामानुजगंज को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात, 2.91 करोड़ की लागत से बनेगा महाविद्यालय का नया भवन

रामानुजगंज। रामानुजगंज क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विस्तार एवं शैक्षणिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। शासकीय लरंग साय अग्रणी महाविद्यालय, रामानुजगंज में अतिरिक्त भवन के निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 2 करोड़ 91 लाख 22 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। अब इस महत्वाकांक्षी निर्माण कार्य की टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। दो दिन पूर्व टेंडर खुलने के बाद जल्द ही नवीन भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ होने की उम्मीद है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के यशस्वी कैबिनेट मंत्री माननीय श्री रामविचार नेताम जी के सतत प्रयासों एवं शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। उनके विशेष प्रयासों से रामानुजगंज क्षेत्र के इस प्रमुख शैक्षणिक संस्थान को इतनी बड़ी सौगात प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि शासकीय लरंग साय अग्रणी महाविद्यालय वर्ष 1987 से क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां रामानुजगंज सहित आसपास के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के लगभग 1600 नियमित विद्यार्थी व लगभग 900 स्वाध्यायी विद्यार्थी कुल 2500 अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या और बेहतर शैक्षणिक वातावरण की आवश्यकता को देखते हुए अतिरिक्त भवन एवं कक्षों का निर्माण लंबे समय से आवश्यक था।

NDPS मामले में फरार सह आरोपी गिरफ्तार, रेलवे के पुराने लोको शेड से 1.910 किलो गांजा बरामद

किरंदुल पुलिस की कार्रवाई, जब्त गांजे की कीमत करीब 95 हजार रुपए; पहले इसी मामले में 8 किलो गांजे के साथ एक आरोपी पकड़ा गया था



दंतेवाड़ा/किरंदुल। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में किरंदुल पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे सह आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर रेलवे के पुराने लोको शेड से 1 किलो 910 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 95 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना किरंदुल में अपराध क्रमांक 65/2026, धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इस प्रकरण में पुलिस ने पूर्व में 6 अक्टूबर 2026 को आरोपी शंकर घोष को गिरफ्तार किया था। उस दौरान उसके कब्जे से 8 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया था। मामले की जांच के दौरान सह आरोपी सुभाष देवनाथ उर्फ नाटा (53 वर्ष), निवासी किरंदुल, फरार चल रहा था। पुलिस ने तलाश के बाद 17 नवंबर 2026 को सुभाष देवनाथ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर रेलवे के पुराने लोको शेड से 1.910 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

पुलिस ने गांजे को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।

एसपी के निर्देशन में चल रहा नशे के खिलाफअभियान- यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री चन्द्रमोहन सिंह (भापुसे) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र खूंटे एवं एसडीओपी श्री अविनाश ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजय यादव के नेतृत्व में की गई। जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ. शैनी रविन्द्र को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का दीर्घकालीन सेवा अलंकरण, 22 वर्षों की सेवा के लिए किया गया सम्मानित

स्काउटिंग-गाइडिंग को बढ़ावा देने और बच्चों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच दिलाने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका



दंतेवाड़ा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित सेमिनार एवं सम्मान समारोह में दंतेवाड़ा की डॉ. शैनी रविन्द्र को दीर्घकालीन सेवा अलंकरण (लॉन्ग सर्विस अवार्ड) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान स्काउटिंग एवं गाइडिंग के क्षेत्र में उनके 22 वर्षों से अधिक के निरंतर योगदान, समर्पण एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। इस समारोह छत्तीसगढ़ राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल के करकमलों से डॉ. शैनी रविन्द्र को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान बैज प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक अर्गल, छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा तथा राष्ट्रीय निदेशक अमर क्षत्री सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे। डॉ. शैनी रविन्द्र विगत 22 वर्षों से स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने में सक्रिय हैं। सहायक संगठन आयुक्त के रूप में उन्होंने दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर एवं बस्तर जिले के बच्चों को प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके मार्गदर्शन में बस्तर संभाग के स्काउट्स एवं गाइड्स फिलीपींस, जापान और स्वीडन जैसे देशों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर छत्तीसगढ़ की संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, रहन-सहन एवं खान-पान का प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ा चुके हैं। जिले के पोटाकेबिन एवं शासकीय विद्यालयों की अनेक गाइड्स को राज्यपाल एवं राष्ट्रपति पुरस्कार दिलाने में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। जिला संगठन आयुक्त (गाइड) के रूप में उन्होंने जिले में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय जनजातीय मीट जैसे आयोजन कराए, जिनमें देश के विभिन्न राज्यों से आए स्काउट्स एवं गाइड्स ने सहभागिता कर बस्तर की संस्कृति और परंपराओं को करीब से जाना। वर्तमान में सहायक लीडर ट्रेनर के रूप में वे प्रदेश में स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों को सशक्त बनाने में निरंतर योगदान दे रही हैं।उनकी इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर, जिला मिशन समन्वयक हरीश गौतम, जिला मुख्य आयुक्त ओमप्रकाश सोनी तथा जिला संघ के समस्त स्काउटर एवं गाइडर ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जनजातीय गौरव दिवस पर दंतेवाड़ा में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली विरासत का भव्य संगम

जनजातीय महानायकों के त्याग, बलिदान और संघर्ष को किया नमन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत हुई आदिवासी संस्कृति



दंतेवाड़ा। जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, समृद्ध परंपराओं, ऐतिहासिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय महानायकों के अतुलनीय योगदान को समर्पित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का भव्य आयोजन मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर स्थित मेंडका डोबरा मैदान में किया गया। समारोह में आदिवासी संस्कृति, लोककला, परंपराओं और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास की अनुपम झलक देखने को मिली। जनजातीय महानायकों के त्याग, बलिदान और संघर्ष को नमन करते हुए उनकी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को देश और दुनिया के सामने लाने की पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय समुदाय के महानायकों की वीरता, संघर्ष और बलिदान की गाथाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा आने वाली पीढ़ियों को उनके योगदान से परिचित कराने के उद्देश्य से जनजातीय गौरव दिवस की परिकल्पना की। आज यह आयोजन केवल किसी एक समाज का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अपने गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को स्मरण करने का अवसर बन गया है। प्रभारी मंत्री कश्यप ने कहा कि हमारे इतिहास में अनेक ऐसे जनजातीय महापुरुष और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हुए हैं, जिन्होंने देश, समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, लेकिन उन्हें इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसके वे वास्तविक रूप से अधिकारी थे। उन्होंने वर्ष 1919 की जलियांवाला बाग की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि देश का अधिकांश नागरिक इस घटना से परिचित है, लेकिन 17 नवंबर 1913 को मानगढ़ में संत गोविंद गुरु के नेतृत्व में हुए जनजातीय आंदोलन और लगभग 1,500 लोगों के बलिदान की जानकारी अपेक्षाकृत कम लोगों को है। ऐसे ऐतिहासिक प्रसंगों को सामने लाना और जनजातीय वीरों के योगदान को सम्मान देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने फिल्म आरआरआर का उदाहरण देते हुए कोमाराम भीम और अल्लूरी सीताराम राजू जैसे महानायकों के संघर्ष एवं बलिदान का उल्लेख किया।

विश्व मात्स्यिकी दिवस पर संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित, 400 मत्स्य कृषकों ने लिया हिस्सा

मत्स्य कृषकों को जाल, आइस बॉक्स एवं प्रमाण पत्र का किया गया वितरण



अम्बिकापुर। विश्व मात्स्यिकी दिवस 2026 के अवसर पर आज ऑडिटोरियम, पी.जी. कॉलेज अंबिकापुर, में संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभाग के सभी जिलों से लगभग 400 मत्स्य कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सरगुजा के उपाध्यक्ष देवनारायण यादव उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति की सभापति मती दिव्या सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत सदस्य मती अनिमा केरकेट्टा एवं मती नानमणि पैंकरा सहित मछुआ समाज के प्रतिनिधि, संभाग के विभिन्न जिलों के अधिकारी एवं मत्स्य निरीक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मत्स्य कृषकों को मछली पालन की आधुनिक तकनीकों एवं स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया गया। इस दौरान झींगा पालन, तिलापिया पालन, एनएफडीपी पोर्टल में मत्स्य कृषकों का पंजीयन तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने मत्स्य कृषकों को योजनाओं का लाभ लेने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मत्स्य कृषकों को प्रोत्साहन स्वरूप जाल, आइस बॉक्स एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में संभाग के विभिन्न जिलों से आए मत्स्य कृषकों ने योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और मत्स्य पालन से जुड़ी गतिविधियों पर चर्चा की।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



जांजगीर-चांपा। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चोरिया में 'मेरी बेटी, मेरा गौरव' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी श्रीमती अनुपमा सिंह कंवर ने छात्राओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, महिलाओं के कानूनी अधिकारों तथा घरेलू हिंसा की स्थिति में उपलब्ध सहायता के संबंध में जानकारी दी। सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री एच. निशा खान ने करियर काउंसलिंग के माध्यम से बालिकाओं को भविष्य निर्माण एवं रोजगार के अवसरों से अवगत कराया। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर की सुविधाओं, महिला एवं बालिका सुरक्षा तथा हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 112, 108, 102, 1076, 1091 एवं 1073 के उपयोग की जानकारी भी दी।

इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, लैंगिक समानता, बाल विवाह एवं महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैरा लीगल वॉलेंटियर श्रीमती मंजू देवांगन ने सुरक्षित बचपन अभियान, साइबर अपराध एवं पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बालिकाओं को अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

जिला न्यायालय बालोद में स्पेशल लोक अदालत का हुआ आयोजन



बालोद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार जिले के सभी न्यायालयों में 21 नवंबर 2026 को स्पेशल लोक अदालत (धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम) का आयोजन किया गया। जिनमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये है।

प्रकरणों के पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने संबंधित प्रकरणों को निराकृत किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी लगातार अधिक से अधिक मामलों को निराकृत किये जाने हेतु प्रेरित किया। जिला व सत्र न्यायालय बालोद एवं व्यवहार न्यायालय स्तर पर डौण्डीलोहारा, दल्लीराजहरा, गुण्डरदेही न्यायालयों में भी स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्याम लाल नवरत्न के निर्देशानुसार इस लोक अदालत के लिए बालोद जिले में कुल 05 खण्डपीठ का गठन किया गया। इस स्पेशल लोक अदालत में खंडपीठ के समक्ष कुल 532 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये थे, जिसमें 18 प्रकरणों का निराकरण स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से किया गया। इस लोक अदालत में कुल 3,91,57,204 रूपए राशि का अवार्ड पारित किया गया है।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण के 763 सर्वेयरों को 46.62 लाख मानदेय भुगतान की प्रक्रिया पूरी

बालोद। खरीफवर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराने वाले सर्वेयरों के मानदेय भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। कलेक्टर मती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार सर्वेयरों को समय पर मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता से कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि जिले के कुल 700 ग्रामों में 7,58,833 खसरों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण 787 सर्वेयरों के माध्यम से कराया गया। इनमें से 7,53,584 खसरों का सुपरवाइजरों द्वारा अनुमोदन किया गया है। राज्य शासन द्वारा अनुमोदित खसरों में से 65 प्रतिशत के आधार पर सर्वेयरों के मानदेय भुगतान के लिए जिले को 48 लाख 50 हजार 870 रुपये की राशि जारी की गई थी। सर्वेयरों से मानदेय भुगतान में विलंब की शिकायतें प्राप्त होने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए प्राथमिकता से राशि अंतरित करने के निर्देश दिए।

थाना सरसींवा के सामने ट्रक के चपेट में आया युवक, पैर पर चढ़ा पहिया, बाल-बाल बची जान

तिहलीपाली का निवासी युवक ट्रक की चपेट में



सरसींवां। सारंगढ़ जिले के सरसींवां थाना के सामने मुख्य मार्ग पर एक सड़क हादसे में तिहलीपाली निवासी युवक ट्रक की चपेट में आ गया। हादसे में ट्रक का पहिया युवक के पैर पर चढ़ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में युवक की जान बाल-बाल बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान तिहलीपाली निवासी जयदेव के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया।

सूचना मिलते ही सरसींवां पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और 108 एंबुलेंस की सहायता से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसींवां पहुंचाया गया।अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा युवक का प्राथमिक उपचार किया गया। उसकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना के बाद सरसींवां पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों एवं घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

इंदिरा गांधी की जयंती पर सारंगढ़ में प्रदेश स्तरीय प्रियदर्शनी महिला सम्मान समारोह आयोजित

महिला कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

- विधायक ने महिला सशक्तिकरण को बताया समाज की मजबूती का आधार, कमल किशोर निराला को महिला सेवादल की कार्यकारी जिला अध्यक्ष की मिली जिम्मेदारी



सारंगढ़। भारत रत्न एवं देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर सारंगढ़ जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश स्तरीय प्रियदर्शनी महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.वी. श्रीनिवासन के निर्देश पर प्रदेश महिला सेवादल की अध्यक्ष मंजू लता आनंद के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस एवं महिला सेवादल की कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सारंगढ़ विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े उपस्थित रहीं। इस अवसर पर अतिथियों का कांग्रेस गमछा एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। वहीं महिला सेवादल की सैकड़ों कार्यकर्ताओं को साड़ी एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के माध्यम से समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और संगठनात्मक गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं के कार्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महिला सेवादल अध्यक्ष मंजू लता आनंद ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली, महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करने वाली तथा संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाली महिलाओं का सम्मान करना गर्व का विषय है।

बड़ी संख्या में कांग्रेस एवं सेवादल के पदाधिकारी रहे उपस्थित

इस अवसर पर विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े, जिला कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद देवांगन, नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे, पूर्व जिला अध्यक्ष अरुण मालाकार, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सरिता गोपाल, सरिता वारे, बीडीसी सरिता चंद, पार्षद शांति मालाकार, कमल किशोर निराला, मंजू मालाकार, पूर्व जनपद अध्यक्ष तुलसी विजय बसंत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, जिला महामंत्री गोल्डी नायक, वरिष्ठ कांग्रेसी सूरज तिवारी, राधे जायसवाल, घनश्याम मनहर, विष्णु चंद्रा, रामनाथ सिदार।

संक्षिप्त समाचार



श्री संतोष कुमार त्रिपाठी को एएलटी पार्चमेंट एवं ऑनरेबल चार्ज बैज से किया गया सम्मानित

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के आदरणीय राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा जी के करकमलों से श्री संतोष कुमार त्रिपाठी को एएलटी पार्चमेंट एवं ऑनरेबल चार्ज बैज प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान स्काउटिंग के क्षेत्र में उनके समर्पण, सेवाभाव, अनुशासन एवं दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर श्री संतोष कुमार त्रिपाठी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी सेवा, समर्पण और अनुशासन के मूल मंत्र के साथ भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के माध्यम से समाज सेवा तथा युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। यह उपलब्धि स्काउटिंग के क्षेत्र में नई ऊर्जा, उत्साह और प्रेरणा का संचार करने वाली है। जिले के अधिकारी एवं स्काउटर गाइडर पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित किया।

अब प्राइवेट अस्पताल जैसी दिखेगी मनेंद्रगढ़ सरकारी अस्पताल की सफाई!

मनेंद्रगढ़। शासकीय अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ स्वच्छता और साफ-सफाई का भी विशेष महत्व होता है। इसी दिशा में मनेंद्रगढ़ के शासकीय अस्पताल में एक नई पहल देखने को मिल रही है। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यहां नई आधुनिक सफाई मशीन उपलब्ध कराई गई है। अस्पताल परिसर में मशीन के माध्यम से फर्श की सफाई का नजारा देखकर ऐसा प्रतीत होता है, मानो किसी निजी अस्पताल में स्वच्छता व्यवस्था संचालित की जा रही हो। आधुनिक मशीन से सफाई होने के कारण अस्पताल के फर्श को साफ-सुथरा रखने में सुविधा मिलेगी और पारंपरिक तरीके से होने वाली सफाई के मुकाबले कार्य को अधिक व्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा। अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों और उनके परिजनों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में अस्पताल परिसर की स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है। नई सफाई मशीन की उपलब्धता से अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। अक्सर सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठते रहते हैं, लेकिन मनेंद्रगढ़ के शासकीय अस्पताल में स्वच्छता की दिशा में की गई यह पहल एक सकारात्मक कदम के रूप में देखी जा सकती है। कुल मिलाकर, बेहतर इलाज के साथ स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में मनेंद्रगढ़ शासकीय अस्पताल की यह पहल सराहनीय है।

विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता: जिले में 01 नवंबर से अब तक 57 स्थायी वारंटी गिरफ्तार

कोरिया। पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन में जिले भर में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों और लंबित स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए सघन विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस टीमों ने लगातार पतासाजी और संभावित ठिकानों पर दबिश देते हुए अब तक कुल 57 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह के मार्गदर्शन और संबंधित थाना प्रभारियों के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन कर यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीमों ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से जिले सहित संभावित बाहरी ठिकानों पर लगातार दबिश दी, जिसके परिणामस्वरूप लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहे वारंटी गिरफ्त में आए। अभियान के तहत 01 नवंबर से अब तक हुई कुल 57 गिरफ्तारियों में सर्वाधिक थाना बैकुंठपुर से 27 और थाना पटना से 22 स्थायी वारंटी पकड़े गए हैं। इसके अतिरिक्त थाना चरचा से 06 तथा थाना सोनहत से 02 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता पाई है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किए गए थे, जिन्हें विधिवत न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस की इस सख्त और निरंतर कार्रवाई से फरार अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

जनजातीय इतिहास,संस्कृति और साहित्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

समापन सत्र में कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले ने दी बड़ी जानकारी -118 करोड़ की बिरसा मुंडा पीठ का प्रस्ताव केंद्र को भेजा, अगले सत्र से शुरू होगा पी.जी. ट्राइबल स्टडीज.....

अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन एवं स्वशासी योजना के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी जनजातीय इतिहास, संस्कृति और साहित्य का बुधवार को भव्य समापन हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले रहे, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने की। संयोजक श्री सुनील अजीत कुमार केरकेट्टा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के अपर संचालक श्री ज्ञानेंद्र शुक्ला और सहायक संचालक श्री गोवर्धन यदु के सहयोग की भी सराहना की गई। संगोष्ठी का उद्घाटन 18 नवंबर को महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के मुख्य आतिथ्य, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री मनोज गुप्ता के विशिष्ट आतिथ्य और सेवानिवृत्त आई.ए.एस. व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. संजय अलंग के अतिविशिष्ट आतिथ्य में हुआ। डॉ. अलंग ने कहा कि जनजातीय इतिहास उपेक्षा का नहीं, स्वाभिमान और प्रतिरोध का इतिहास है। दो दिनों में कुल चार तकनीकी सत्रों के साथ दो ऑनलाइन समानांतर सत्र भी हुए, जिनमें लगभग 65 शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रथम सत्र जनजातीय इतिहास पर केंद्रित रहा, जिसकी अध्यक्षता प्रो. आर.पी. सिंह ने की। मुख्य वक्ता डॉ. जनार्दन गौंड ने कहा कि रानी दुर्गावती, राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह जैसे नायकों को 'छोटे राजा' कहकर हाशिये पर डाल दिया गया, जबकि बिना गोंडी, कुरुख, मुंडारी, सादरी, बोडो जैसी जनजातीय भाषाओं में उतरे सही इतिहास नहीं लिखा जा सकता। द्वितीय सत्र जनजातीय संस्कृति पर केंद्रित रहा, जिसकी अध्यक्षता प्रो. सुषमा भगत ने की। इसमें 7 शोधार्थियों ने करमा, सरहुल,



मदई, लोकनृत्य और वन-ज्ञान पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। तृतीय सत्र जनजातीय साहित्य पर केंद्रित रहा, जिसकी अध्यक्षता डॉ. जनार्दन गौंड ने की। इसमें कवि-चित्रकार श्री महेश वर्मा ने कहा कि गोंडवानी, सोहराय, धनकुल गाथाएँ ही आदिवासी समाज का वेद-पुराण हैं। डॉ. विश्वासी एक्का ने सृजन की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। चतुर्थ सत्र जनजातीय गौरव पर केंद्रित रहा, जिसकी अध्यक्षता प्रो. एस.एन. पाण्डेय ने की। इसमें डॉ. शम्भू तिर्की और डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय ने गौरव और अस्मिता पर चर्चा की। समापन सत्र में मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले ने महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि जनजातीय इतिहास, संस्कृति और साहित्य जैसे विषय पर इस प्रकार का गंभीर विमर्श आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि बिना अपने मूल इतिहास को जाने कोई भी समाज अपनी अस्मिता को नहीं बचा सकता। दो दिनों के विमर्श ने सिद्ध कर दिया कि जनजातीय समाज केवल अतीत की धरोहर नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के भारत के लिए भी मार्गदर्शक है। कुलपति महोदय ने आदिवासी इतिहास और नायकों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह जैसे नायकों ने केवल अपने समाज के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया।

बंधा चारपारा में आधी रात कार सवार अज्ञात चोरों ने घर में बंधी 4 बकरी चुरा हुए फरार ग्रामीण महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराने थाने में दिया आवेदन

सरगुजा। जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बंधा चारपारा में आधी रात कार सवारों द्वारा घर में बंधी बकरियों की चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। बकरियां चोरी होने के बाद शनिवार को ग्रामीण महिला ने लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, रामेश्वरी पति स्व. शोभित जो पक्के घर के अंदर चार बकरियों बांधकर खाना पीना खाकर घर बगल घर में सोने चले गए। रात करीब 3:30 आवाज आने पर बुजुर्ग ग्रामीण महिला श्याम पति उठी और जब दरवाजा खोलना चाहा तो चोरों ने घर के दरवाजे की कुंडी लगा दी थी और इधर चार बकरियों को चोरी कार सवार अज्ञात चोर बकरिया चोरी कर फरार हो गए। बुजुर्ग महिला के शोर मचाने के बाद आज पड़ोस की



लोग जगे और दरवाजे की कुंडी खोल तब पता चला कि अज्ञात चोरों के द्वारा घर के अंदर बंधी चार बकरियों को चोरी कर लिया है।वही 21 नवंबर दिन शनिवार को रामेश्वरी पति से शोभित ने लखनपुर थाने पहुंचे रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया गया है।लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।बजे अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। लखनपुर थाना क्षेत्र में से पूर्व भी बकरी चोरी की गई घटनाएं सामनेआ चुकी हैं। लगातार चोरों के द्वारा क्षेत्र में बकरी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है।

अशोक मोदी को मिला प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवॉर्ड

कोरबा। कोरबा की धरती पर जन्म लेकर अपनी कर्मभूमि कोरबा को ही बनाते हुए दशकों से धार्मिक, सामाजिक, जनसेवा एवं व्यावसायिक क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री अशोक कुमार मोदी को राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, नई दिल्ली द्वारा उन्हें उनके दीर्घकालीन धार्मिक, सामाजिक एवं जनसेवा के उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रतिष्ठित 'महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवॉर्ड-2026' से सम्मानित किया गया है। दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में खचाखच भरे हाल में आयोजित भव्य अग्र अलंकरण समारोह-2026 में देश-विदेश की प्रतिष्ठित विभूतियों के बीच उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। श्री अशोक मोदी कृष्णा ग्रुप के चेयरमैन होने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय चेयरमैन भी हैं। उनका यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि कोरबा नगर, औद्योगिक नगरी की प्रतिष्ठा तथा संपूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उनके द्वारा वर्षों से किए जा रहे सेवा कार्यों की राष्ट्रीय मंच पर मिली यह पहचान पूरे क्षेत्र एवं प्रदेश का मान-सम्मान बढ़ाने वाली है। यह भव्य समारोह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्व रखता था। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ लगभग 16 देशों से आए प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, उद्योगपतियों एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने सहभागिता की। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने वाली देश-विदेश की लगभग 51 विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया गया। ऐसी प्रतिष्ठित विभूतियों के बीच कोरबा के श्री अशोक मोदी का सम्मानित होना नगर एवं प्रदेश के लिए विशेष गौरव का विषय रहा। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता एवं हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त भारत सरकार के व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री सुनील सिंघवी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में परम श्रद्धेय गीता मनीषी, महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का पावन सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

वोट चोरी कर सरकार बनाई है भाजपा ने: बैज

विकास और किसानों के मुद्दे पर घेरा सरकार को

अंबिकापुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कर्मभूमि पर खड़े होकर सीएम पर जमकर बरसे। उन्होंने आरोप लगाया कि जो मुख्यमंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र में सड़कें नहीं बनवा सकता, चना नहीं बिकवा सकता, जो मुख्यमंत्री अपने ही क्षेत्र की जनता को संतुष्ट नहीं कर सकता, वह वोट चोरी करके ही सत्ता तक पहुंचा है। दरअसल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के गृह जिले जशपुर में कांग्रेस की एक बड़ी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। श्री बैज ने कहा कि जो मुख्यमंत्री अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में बेहतर सड़कें नहीं बनवा सकता, किसानों की चना उपज नहीं बिकवा सकता, ग्रामीणों को गुड़ नहीं दिलवा सकता और संतुष्ट नहीं कर सकता उसने वोट चोरी करके ही सत्ता हथियाई है। श्री बैज ने तंज कसते हुए कहा- भाजपा के बड़े-बड़े नेता कहते थे कि हमारी सरकार बनी तो बिजली



दरें कम करवा देंगे, चकाचक सड़कें बनवा देंगे, महंगाई कर देंगे। अब सब कुछ उल्टा हो गया है। सड़कों का बेड़ागर्क हो गया है। कुनकुरी से यहां आते तक सड़क की दुर्दशा की त्रासदी मैने स्वयं भोगी है। मुख्यमंत्री न तो किसानों को राहत दिलवा पा रहे हैं, न ग्रामीणों की भलाई कर पा रहे हैं। पेट्रोल, डीजल, बिजली की दरें सांय सांय बढ़ गई। दीपक बैज ने कहा कि हमारा पानी, हमारा कोयला, तमाम संसाधन हमारे, फिर भी हमें ही बड़ी महंगी बिजली दी जा रही है। छत्तीसगढ़ सरप्लस बिजली वाला राज्य है, हमारी बिजली से कई राज्य रौशन होते रहे हैं, मगर दुख की बात यह है कि अब हमारा छत्तीसगढ़ ही दूसरे राज्यों से बिजली खरीदने मजबूर हो गया है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बड़े ही चुटीले अंदाज में उपस्थित जनसमुदाय से सवाल जवाब भी किए। उन्होंने किसी उपभोक्ता का 43 हजार का बिजली बिल लहराते हुए पूछा कि साय सरकार आने के बाद बिजली सस्ती हुई क्या? जनता ने जवाब दिया नहीं। फिर उन्होंने पूछा कि अच्छे दिन के सपने दिखाने वाले मोदी सरकार के आने के बाद शक्कर, पेट्रोल डीजल और अन्य वस्तुओं के दाम घटे क्या?जनता का जवाब था- बिल्कुल नहीं। श्री बैज ने कहा कि जो सरकारें बेईमानी और वोट चोरी के दम पर बनती हैं, वे जनता के साथ ऐसा ही छल करती हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को सीधे चुनौती देते आरोप लगाया कि एक मुख्यमंत्री के ही विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हो पाना इस बात का बड़ा सबूत है कि भाजपा को प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों और आदिवासियों के विकास से कोई वास्ता ही नहीं है।उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की केंद्र में बैठी सरकार आदिवासी मुख्यमंत्री की अनदेखी कर रही है। केवल आदिवासियों को खुश करने के लिए एक आदिवासी को मुख्यमंत्री बना दिया गया है

राष्ट्रीय राजनीति में ललित चंद्राकर की नई पारी पर तेजस्वी सोनवानी ने दी बधाई



- कहा यह दुर्ग और छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात
- भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री बनने पर विधायक ललित चंद्राकर को शुभकामनाएं

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर को भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए जाने पर दुर्ग जिले में हर्ष और उत्साह का माहौल है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उन्हें राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने को छत्तीसगढ़, विशेषकर दुर्ग जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर दुर्ग नगर निगम क्षेत्र की सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता एवं सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों में विशिष्ट पहचान रखने वाली तेजस्वी सोनवानी ने विधायक ललित चंद्राकर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। तेजस्वी सोनवानी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि विधायक ललित चंद्राकर को भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना उनके संगठनात्मक समर्पण, राजनीतिक सक्रियता और नेतृत्व क्षमता का सम्मान है। यह उपलब्धि केवल ललित चंद्राकर के लिए ही नहीं, बल्कि दुर्ग जिले और पूरे छत्तीसगढ़ के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए भी गर्व और उत्साह का विषय है। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह जिम्मेदारी प्रदेश की राजनीतिक और संगठनात्मक पहचान को नई मजबूती प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी सोनवानी लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती आ रही हैं। पार्टी संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ ही उन्होंने सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से भी अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की है। संगठन को मजबूत बनाने के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी उनकी सक्रियता लगातार बनी हुई है। राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय तेजस्वी सोनवानी द्वारा इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर को शुभकामनाएं देना संगठनात्मक उपलब्धि के प्रति कार्यकर्ताओं के उत्साह और सम्मान को भी अभिव्यक्त करता है।

ग्राम चोडेया में ताला तोड़कर 5 बकरा-बकरी चोरी पशुपालक को 40 हजार रूपए का हुआ नुकसान

- लग्जरी कारों में पहुंच रहे अज्ञात चोर, आधी रात को वारदात को दे रहे अंजाम लगातार चोरी से पशुपालकों में भय

सरगुजा। जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र में बकरा-बकरी चोरी करने वाला गिरोह लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। लग्जरी कारों में सवार होकर गांव पहुंच रहे अज्ञात चोर आधी रात को चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला ग्राम चोडेया का है, जहां घर के सामने बने कमरे का ताला तोड़कर अंदर बंधे पांच बकरा-बकरी चोरी कर ली गई। पशु पालक से मिली जानकारी के अनुसार, 20 एवं 21 नवंबर की दरमियानी रात कार सवार अज्ञात चोर ग्राम चोडेया पहुंचे और पशुपालक दीप नारायण पिता स्व. शिवलाल के घर के सामने बने कमरे का ताला तोड़कर पांच बकरा-बकरी चोरी कर फरार हो गए। चोरी की इस घटना में पशुपालक को करीब 40 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। पशुपालक दीप नारायण ने 22 नवंबर दिन रविवार की दोपहर लखनपुर थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया है। गौरतलब है कि क्षेत्र में इससे पूर्व भी लग्जरी वाहनों में सवार होकर बकरा-बकरी चोरी किए जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही चोरी की वारदातों से चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं, वहीं पशुपालक अपनी मेहनत और पूंजी से पाले गए पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।ग्रामीणों का कहना है कि



क्षेत्र में बाहरी लोगों के आने-जाने और बकरा-बकरी के कारोबार के बढ़ने के बाद चोरी की घटनाओं में इजाफा हुआ है। पूर्व में लखनपुर पुलिस चोरी हुए बकरा-बकरी को दूसरे राज्य से बरामद कर पशुपालकों को सुपुर्द भी कर चुकी है।लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों और पशुपालकों में भय का माहौल है। पशुपालकों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्ध वाहनों पर निगरानी रखने तथा बकरा-बकरी चोरी करने वाले गिरोह पर अंकुश लगाने की मांग की है। अब देखना होगा कि पुलिस इस गिरोह का पर्दाफाश कर चोरी की घटनाओं पर कब तक लगाम लगा पाती है। झारखंड और बिहार से व्यापारी आकर यहां गांव में पहुंचकर बकरा बकरी खरीदी का धंधा भी कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बाहरी और स्थानीय व्यापारियों के साठ गांठ चोरी की बकरियों को दूसरे राज्यों में खपाने का कार्य किया जा रहा है।ग्राम चोडेया में ताला तोड़कर 5 बकरा-बकरी चोरी, पशुपालक को 40 हजार का नुकसान लग्जरी कारों में पहुंच रहे अज्ञात चोर, आधी रात को वारदात को दे रहे अंजाम लगातार चोरी से पशुपालकों में भय - सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र में बकरा-बकरी चोरी करने वाला गिरोह लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। लग्जरी कारों में सवार होकर गांव पहुंच रहे अज्ञात चोर आधी रात को चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला ग्राम चोडेया का है, जहां घर के सामने बने कमरे का ताला तोड़कर अंदर बंधे पांच बकरा-बकरी चोरी कर ली गई। पशु पालक से मिली जानकारी के अनुसार, 20 एवं 21 नवंबर की दरमियानी रात कार सवार अज्ञात चोर ग्राम चोडेया पहुंचे और पशुपालक दीप नारायण पिता स्व. शिवलाल के घर के सामने बने कमरे का ताला तोड़कर पांच बकरा-बकरी चोरी कर फरार हो गए।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा



पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।



दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।

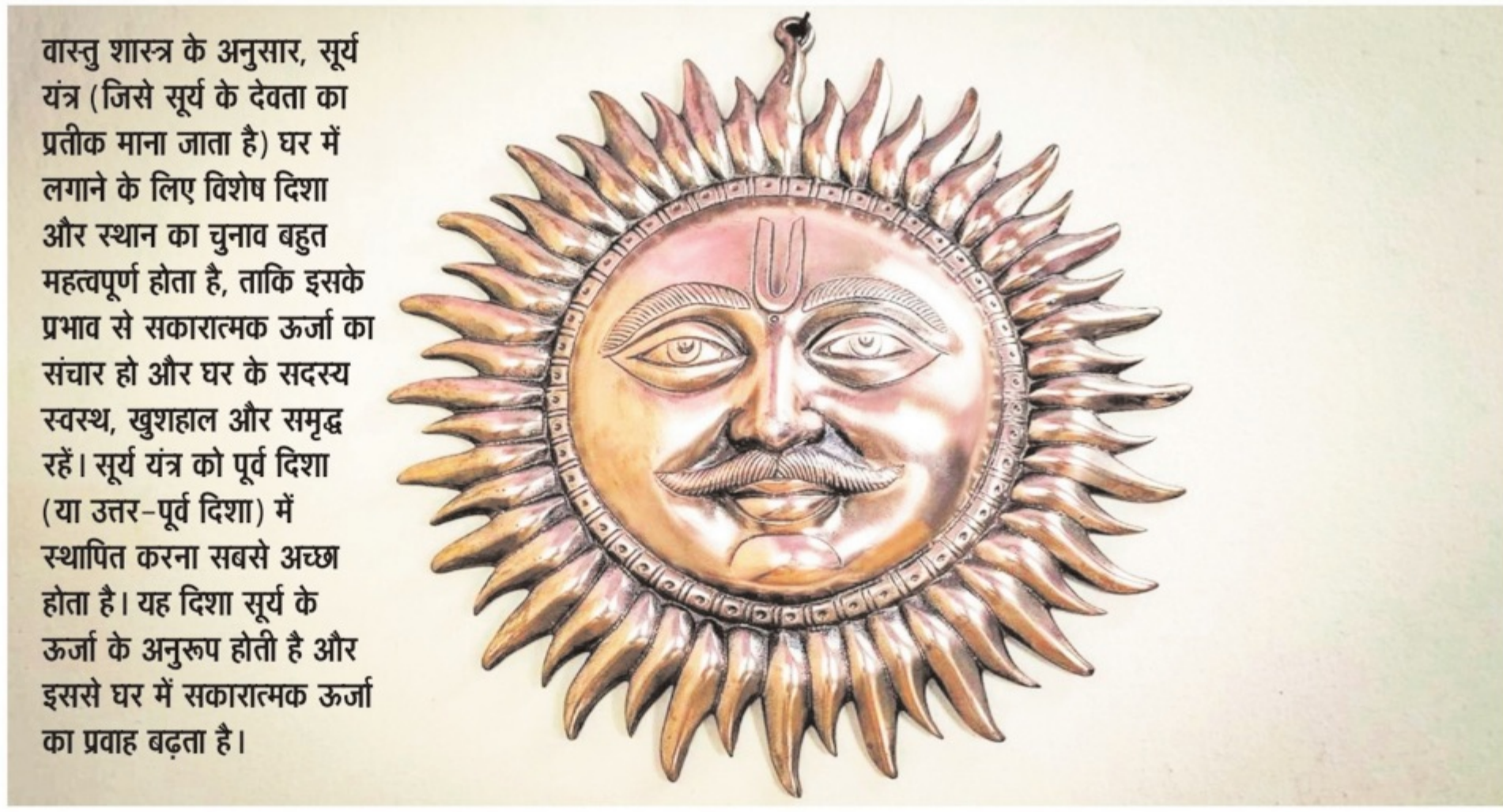

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें: यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें: सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें: सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप: यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।



वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।



पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबती का धुआं हानिकारक है।



शासकीय फिजियोथेरेपी महाविद्यालय दुर्ग में छह दिवसीय 'दीक्षारंभ' इंडक्शन एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का समापन



मुख्य अतिथि डॉ. तृप्ति नगरिया ने विद्यार्थियों को वितरित किए प्रमाणपत्र

दुर्ग। शासकीय फिजियोथेरेपी महाविद्यालय, दुर्ग के बी.पी.टी. (बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी) प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित छह दिवसीय 'दीक्षारंभ' - इंडक्शन एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का समापन 21 नवंबर 2026 को गरिमामय समारोह के साथ हुआ। 16 से 21 नवंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फिजियोथेरेपी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, व्यावसायिक नैतिकता, क्लिनिकल कार्यप्रणाली एवं भविष्य की व्यावसायिक जिम्मेदारियों से परिचित कराना था। समापन समारोह में डॉ. तृप्ति नगरिया, अधिष्ठाता, चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दुर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि चिकित्सा से जुड़े सभी व्यवसायों में फिजियोथेरेपी एक महत्वपूर्ण एवं संतोष प्रदान करने वाला पेशा है, जिसमें मरीजों से मिलने वाला धन्यवाद और आशीर्वाद सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब व्यक्ति अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करता है, तब वह मरीजों को प्रभावी एवं त्वरित लाभ पहुँचाने में सक्षम होता है। फिजियोथेरेपी भी ऐसा ही प्रभावी उपचार माध्यम है, जिसके सकारात्मक परिणाम उन्होंने स्वयं अनुभव किए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर ज्ञान एवं कौशल विकसित करने तथा समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सार समाचार

रोज़गार-क्षमता और व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन



दुर्ग। सेठ आर.सी.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में छात्राओं के लिए छः दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन प्लेसमेंट सेल व महिला प्रकोष्ठ एवं नंदी फाउंडेशन महिंद्रा के संयुक्त तत्वाधान मे किया गया। उद्घाटन सत्र मे मुख्य अतिथि जिला शिक्षण समिति के अध्यक्ष प्रवीण चंद्र तिवारी ने अपनी उपस्थिति प्रदान की एवं छात्राओं को इस कार्यशाला मे भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के प्रथम दिवस आत्म जागरूकता और आत्मविश्वास, द्वितीय दिवस संवाद कौशल, तृतीय दिवस बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार, चतुर्थ दिवस स्वच्छता और पहनावा, पंचम दिवस सकारात्मक सोच एवं अंतिम दिवस व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन बहुत ही रोचक और रोमांचक रहा । छः दिवसीय कार्यक्रम की समीक्षा के साथ-साथ ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया गया एवं उत्कृष्ट छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रतिभा भार्गव बी. ए, पंचम सेमेस्टर, प्रज्ञा मिश्रा एम.लिब. एवं निशा बोस बी.पी.एड. की छात्राओं को परिष्कृत किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. पूजा मल्होत्रा ने किया । इस कार्यक्रम मे महाविद्यालय के 70 छात्राओं ने भाग लिया।

अकवान तूफान से फसल नुकसान पर किसानों को 72 घंटे में बीमा कंपनी को देनी होगी सूचना

दुर्ग। चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से हुई असामान्य बारिश को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों से फसल नुकसान की सूचना एवं बीमा दावा प्रक्रिया के संबंध में अपील की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल नुकसान होने पर किसानों को 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 (कृषि रक्षक पोर्टल) पर सूचना देना अनिवार्य है। श्वद्धद्धह्व4.द्दश1.द्धद्व पोर्टल पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। किसान गूगल प्ले स्टोर से 'क्रॉप इंश्योरेंस ऐप' डाउनलोड कर फसल हानि का विवरण स्वयं भी दर्ज कर सकते हैं। उप संचालक कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सूचना प्राप्त होने के बाद बीमा कंपनी 10 दिनों के भीतर सर्वे करेगी। कटाई के बाद खेत में खलिहान में रखी धान की फसल (करपा) के नुकसान के लिए कटाई उपरांत 14 दिनों तक बीमा सुरक्षा का प्रावधान है। ऐसी स्थिति में जलभराव अथवा बारिश से नुकसान की स्थिति में फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बीमा दावा भुगतान की गणना की जाएगी। किसानों को नुकसान की सूचना देते समय अपना नाम, मोबाइल नंबर, ग्राम, तहसील, जिला, खसरा नंबर, बीमित फसल, बीमा पॉलिसी नंबर, नुकसान का विवरण एवं तारीख बतानी होगी।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि फसल नुकसान होने पर तत्काल पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को सूचना दें। साथ ही खेत में कटाई के बाद रखी धान की फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें, ताकि बारिश से नुकसान कम हो सके।

वेतन विसंगति पर स्वास्थ्य कर्मचारियों को शासन की पहल का इंतजार

पशुपालन विभाग की तर्ज पर ग्रेड-पे सुधारने की मांग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को दिलाया लंबित मांगों का स्मरण; कहा– मानव जीवन बचाने वालों के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार



भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने राज्य के स्वास्थ्य कर्मियों की वर्षों से लंबित वेतन विसंगति को दूर करने की मांग एक बार फिर पुरजोर तरीके से उठाई है। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से आग्रह किया है कि जिस प्रकार राज्य सरकार ने पशुपालन विभाग के कर्मचारियों की वेतन विसंगति को दूर कर आदेश जारी किया है, उसी तर्ज पर स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगति को भी तत्काल समाप्त किया जाए। पशुपालन विभाग के फैसले का दिया हवाला- प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने कहा कि राज्य शासन द्वारा हाल ही में पशुपालन विभाग के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों का ग्रेड-पे बढ़ाकर 2800 रुपये किया गया है, जो एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने मांग की कि इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर कर शीघ्र आदेश प्रसारित किया जाना चाहिए। संघ का मानना है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा केंद्रीय वेतनमान लागू नहीं किए जाने के कारण विभिन्न कैडरों में भारी विसंगति व्याप्त है, और प्रत्येक नए वेतन आयोग के समय सुधार न होने से यह अंतर और अधिक बढ़ता जा रहा है। केंद्र और राज्य के ग्रेड-पे में भारी अंतर- सैय्यद असलम ने आंकड़ों के माध्यम से राज्य और केंद्र सरकार के वेतनमान में मौजूद अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि आरएचओ (पुरुष एवं महिला कार्यकर्ता): राज्य में इन्हें वर्तमान में 2200 ग्रेड-पे मिल रहा है, जबकि केंद्र में इसी पदनाम पर 2400 ग्रेड-पे दिया जाता है। स्वास्थ्य सुपरवाइजर एवं एलएचवी (महिला स्वास्थ्य सुपरवाइजर): इन्हें राज्य में 2400 ग्रेड-पे मिल रहा है, जबकि केंद्र सरकार 2800 ग्रेड-पे का भुगतान करती है। बीईईटीओ (पदोन्नत पद): इस पद पर राज्य सरकार महज 2800 ग्रेड-पे दे रही है, जबकि केंद्रीय वेतनमान के अनुसार इसका ग्रेड-पे 4200 रुपये है। मानव जीवन की सेवा करने वालों की अनदेखी का आरोप- संघ के संरक्षक ओ.पी. शर्मा और प्रांताध्यक्ष अनिल पांडेय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार पशुपालन विभाग के कर्मचारियों की पीड़ा और वेतन विसंगति को तो समझ रही है, लेकिन दिन-रात मानव जीवन की सेवा और रक्षा करने वाले स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की विसंगति को अनदेखा कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रदेश के अन्य विभागों के कर्मचारियों की मांगों पर त्वरित निर्णय लिए जा रहे हैं, तो स्वास्थ्य विभाग के प्रति यह दोहरी नीति क्यों अपनाई जा रही है।

राष्ट्रीय राजनीति में ललित चंद्राकर की नई पारी पर तेजस्वी सोनवानी ने दी बधाई

भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री बनने पर विधायक ललित चंद्राकर को शुभकामनाएं



दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर को भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए जाने पर दुर्ग जिले में हर्ष और उत्साह का माहौल है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उन्हें राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने को छत्तीसगढ़, विशेषकर दुर्ग जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर दुर्ग नगर निगम क्षेत्र की सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता एवं सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों में विशिष्ट पहचान रखने वाली तेजस्वी सोनवानी ने विधायक ललित चंद्राकर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। तेजस्वी सोनवानी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि विधायक ललित चंद्राकर को भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना उनके संगठनात्मक समर्पण, राजनीतिक सक्रियता और नेतृत्व क्षमता का सम्मान है। यह उपलब्धि केवल ललित चंद्राकर के लिए ही नहीं, बल्कि दुर्ग जिले और पूरे छत्तीसगढ़ के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए भी गर्व और उत्साह का विषय है। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह जिम्मेदारी प्रदेश की राजनीतिक और संगठनात्मक पहचान को नई मजबूती प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी सोनवानी लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती आ रही हैं। पार्टी संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ ही उन्होंने सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से भी अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की है।

पुजारियों और पुरोहितों को विधायक रिकेश सेन का तोहफा, साल में दो बार मुफ्त एसी रेल यात्रा

23 नवंबर से शुरू होगा पंजीयन

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जनसेवा को नए नवाचारों से जोड़ते हुए विधायक रिकेश सेन ने कर्मकांडी ब्राह्मणों, पुरोहितों और मंदिरों में सेवा देने वाले पुजारियों के लिए विशेष सम्मान योजना शुरू करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत पात्र कर्मकांडी ब्राह्मणों को उनके परिवार सहित साल में दो बार देश में कहीं भी यात्रा करने के लिए निःशुल्क एसी रेल टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के लिए 23 नवंबर से विधायक कार्यालय में पंजीयन शुरू होगा। विधायक रिकेश सेन ने 21 नवंबर की रात इस नई योजना की घोषणा करते हुए बताया कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में निवासरत ऐसे ब्राह्मण, जो पिछले कम से कम तीन वर्षों से मंदिरों और विभिन्न यजमानों के यहां पूजा-पाठ एवं कर्मकांड का कार्य कर रहे हैं, इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। इसके अंतर्गत उन्हें और उनके परिवार को वर्ष में दो बार भारतवर्ष में कहीं भी यात्रा के लिए एसी रेल टिकट की सुविधा दी जाएगी। इच्छुक पात्र व्यक्ति विधायक कार्यालय, जीरो रोड, श्वेतांबर जैन मंदिर के सामने, शांतिनगर भिलाई में अपना पंजीयन करा सकते हैं। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि कर्मकांडी ब्राह्मण सनातन परंपराओं, धार्मिक संस्कारों और सामाजिक आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पूजा-पाठ और कर्मकांड के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले इन परिवारों को सम्मान और सुविधा देना इस पहल



का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनसेवा का अर्थ केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित रहना नहीं, बल्कि समाज के उन वर्गों की जरूरतों को समझना भी है, जो अपनी सेवाओं से सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं।

24 जनकल्याणकारी योजनाओं से हजारों परिवारों को मिल रहा लाभ-

गौरतलब है कि विधायक रिकेश सेन की पहल पर वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में अब तक लगभग 23-24 जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें फ्री ब्लड टेस्ट, मात्र एक रुपये में डायलिसिस, निःशुल्क सोनोग्राफी, एक्स-रे, पावर वाले चश्मे, मोतियाबिंद ऑपरेशन, सैनिटरी नैपकिन, हेलमेट बैंक, कंबल बैंक और निःशुल्क फिल्टर्ड पेयजल जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

इसके अलावा जरूरतमंद वर-वधुओं के लिए शादी परिधान तथा क्षेत्र की बेटियों के विवाह में निःशुल्क ब्राइडल मेकअप और मेहंदी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। दूसरों के घरों में काम कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली महिलाओं के लिए शुरू की गई शक्ति योजना में लगभग 22 हजार महिलाओं ने पंजीयन कराया है। वहीं, 14 से 29 वर्ष के युवाओं के लिए संचालित युवा भारत योजना के तहत लगभग 5800 पंजीकृत युवाओं को 16 प्रकार के लाभ दिए जाने हैं।

विधायक की इन पहलों का उद्देश्य स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक सहयोग से जुड़ी सुविधाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाना है। कर्मकांडी ब्राह्मणों और पुरोहितों के लिए घोषित यह नई योजना भी इसी दिशा में एक और पहल मानी जा रही है।

चेक बाउंस के 312 विवादों का अंत, 7.81 करोड़ से अधिक की समझौता राशि

दुर्ग की विशेष लोक अदालत में आपसी सहमति से मिली न्याय को नई गति, 17 खंडपीठों के माध्यम से हुआ प्रकरणों का निराकरण

दुर्ग। एक चेक बाउंस होता है, तो विवाद केवल एक भुगतान तक सीमित नहीं रहता। उसके साथ समय, धन, व्यावसायिक संबंध और कभी-कभी वर्षों तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया भी जुड़ जाती है। ऐसे विवादों में यदि दोनों पक्षों को बातचीत और आपसी सहमति से समाधान का अवसर मिले, तो न्याय केवल शीघ्र ही नहीं मिलता, बल्कि विवाद को स्थायी विराम भी मिल सकता है। इसी सोच को जमीन पर उतारते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आज परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत वर्ष 2026 की द्वितीय विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया।



इस पहल के परिणामस्वरूप जिले में कुल 312 न्यायालयीन प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा कुल ?7,81,21,753 (सात करोड़ इक्यासी लाख इक्कीस हजार सात सौ तिरपन रुपये) की समझौता राशि निर्धारित हुई। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के निर्देशन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय में जिला न्यायालय दुर्ग एवं तहसील व्यवहार न्यायालयों में आयोजित किया गया। विशेष लोक अदालत को जिले के विभिन्न न्यायालयों तक पहुंचाने के लिए कुल 17 खंडपीठों का गठन किया गया। इनमें जिला न्यायालय दुर्ग में 14, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 में 1, व्यवहार न्यायालय पाटन में 1 तथा व्यवहार न्यायालय धमधा में 1 खंडपीठ गठित की गई।

प्रातः 10:30 बजे माननीय शेख अशरफ प्रथम, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा दीप प्रज्वलित कर विशेष लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमेश कुमार भागवतकर, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रमेश शर्मा, सचिव रविशंकर सिंह, अन्य पदाधिकारीगण, न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। चेक बाउंस से संबंधित विवादों में अक्सर भुगतान की देनदारी और आपसी विश्वास का प्रश्न जुड़ा होता है। ऐसे मामलों में लंबी न्यायिक प्रक्रिया के स्थान पर आपसी बातचीत और सहमति से समाधान का अवसर देना विशेष लोक अदालत का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को ऐसा मंच उपलब्ध कराया गया, जहां वे बिना अनावश्यक विवाद बढ़ाए अपनी बात रख सकें।

और आपसी सहमति से प्रकरण का समाधान कर सकें। इससे न केवल न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के बोझ को कम करने में सहायता मिलती है, बल्कि पक्षकारों के समय, धन और श्रम की भी बचत होती है। साथ ही व्यावसायिक एवं सामाजिक संबंधों को अनावश्यक कटुता से बचाने का अवसर मिलता है।

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की मूल भावना के अनुरूप आयोजित यह विशेष लोक अदालत इस बात को रेखांकित करती है कि न्याय का उद्देश्य केवल विवादों का निर्णय करना नहीं, बल्कि जहां संभव हो, वहां पक्षकारों को सहमति के आधार पर स्थायी समाधान उपलब्ध कराना भी है।

24 नवंबर को भिलाई आएंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा ने संभाली स्वागत की कमान

भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 24 नवंबर को प्रस्तावित भिलाई प्रवास को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के उद्देश्य से रविवार को प्रियदर्शिनी परिसर सुपेला स्थित जिला भाजपा कार्यालय में संगठन की वृहद बैठक आयोजित की गई। इसमें भिलाई नगर निगम एवं भिलाई-चरोदा नगर निगम क्षेत्र के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री के स्वागत, कार्यक्रम की रूपरेखा, जनसंपर्क अभियान और व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य रूप से भिलाई जिला प्रभारी रामजी भारती, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन और भिलाई नगर निगम नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी



रामजी भारती ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उनका भिलाई आगमन क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के स्वागत में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए बूथ से लेकर मंडल और जिला स्तर तक सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

वहीं, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा ने संगठनात्मक एकजुटता और समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि भिलाई और चरोदा दोनों क्षेत्रों में भाजपा का संगठन मजबूत है। कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर आम नागरिकों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करें। उन्होंने यातायात, मंच व्यवस्था, पेयजल और अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी तैयारियां समय रहते पूरी करने की बात कही।



जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। दोनों नगर निगम क्षेत्रों के सभी मंडलों में तैयारियों को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। उन्होंने मोर्चा, प्रकोष्ठ और वरिष्ठ पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने पार्षदों और जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने वार्डों से अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैठक का संचालन मनीष अग्रवाल ने किया, जबकि जिला महामंत्री सुषमा जेठानी ने आभार व्यक्त किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, चित्रा केशवालु, नटवर ताम्रकार, गोपाल कृष्ण वर्मा, पूनम शुक्ला सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, पार्षद, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com